



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 54]  
No. 54]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 3, 1980/चैत्र 14, 1902  
NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 3, 1980/CHAITRA 14, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय  
(वाणिज्य विभाग)

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं० : 7-आई० टी० सी० (पीएन)/80

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1980

विषय :—यू० के०/भारत क्षेत्रीय अनुदान के अंतर्गत आयातों के लिए  
लाइसेंस जारी करने के संबंध में शर्तों की अनुसूची ।

[मिसिल सं० आई० पी० सी०/39/16/77 से जारी] यू० के०/भारत  
क्षेत्रीय अनुदान 1978 और जो यू० के०/भारत क्षेत्रीय अनुदान संशोधन  
1979 करार द्वारा संशोधित किया गया के अंतर्गत आयात लाइसेंसों को  
जारी किए जाने के संबंध में शासित करने वाली जैसी शर्तें इस सार्वजनिक  
सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, वे सूचनार्थ अधिसूचित की जाती हैं ।

सी० वेक्टरामन, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं० 7-आई० टी० सी० (पीएन)/80  
दिनांक : 3-4-80 के लिए परिशिष्ट

यू० के०/भारत क्षेत्रीय अनुदान, 1978 दिनांक 4-1-78 के लिए  
लाइसेंस शर्तें और यू० के०/भारत क्षेत्रीय अनुदान संशोधन 1979 करार  
दिनांक 25-1-79 द्वारा संशोधित ।

## 1. सामान्य

1. (क) आयात लाइसेंस का शीर्षक "यू० के०/भारत क्षेत्रीय अनुदान,  
1978" होगा । इसके अतिरिक्त लाइसेंस संख्या और प्रत्ययों के रूप में  
"आर/केएम" या "एम/के एम" के साथ इसमें नियत संख्या होगी जिसे  
पहचान प्रत्यय के रूप में जाना जाता है "सैक" चिह्न क्षेत्रीय अनुदान को  
प्रदर्शित करता है ; इसके साथ एक पक्ष "ए" होगा जो उस पावर क्षेत्र  
के लिए होगा जिसके लिए अनुदान का निश्चय किया गया है, जिसके साथ  
एक संख्या होगी जो नियतन के वर्ष को प्रदर्शित करेगी और उसके  
साथ एक नियतन संख्या होगी ।

उदाहरणार्थ

एम० ई० सी०/ए०/72/14 (जी० आ० आई०) अर्थात् क्षेत्रीय अनुदान/  
पावर/वर्ष/नियतन की क्रम सं०

(ख) एक नियतन बहुविध लाइसेंस

जब एक नियतन के अन्तर्गत एक से अधिक आयात लाइसेंस जारी किए  
जाते हैं तो आयात लाइसेंस जारी करने समय लाइसेंस प्राधिकारी यह  
सुनिश्चय करेंगे कि नियतन से संबंधित प्रत्येक लाइसेंस में एक और परिच्छेद  
चिह्न होगा उदाहरण के लिए

(1) एम० ई० सी०/ए०/72/14 (जी० आ० आई०)/1 (प्रथम लाइसेंस)

(2) एम० ई० सी०/ए०/72/14 (जी० आ० आई०)/2

(द्वितीय लाइसेंस) अर्थात् क्षेत्रीय अनुदान/पावर/वर्ष/नियतन क्रम सं०/  
लाइसेंस की क्रम सं० ।

(ग) एक लाइसेंस बहुविध लाइसेंस

जब एक आयात लाइसेंस के मद्दे एक से अधिक खरीद आदेश/संविका हो तो लाइसेंसधारी को यह जिम्मेदारी हो जाती है कि वह यह सुनिश्चित करे कि लाइसेंस के लिए परिचय चिन्ह के बाद ब्रैकेट में आयात लाइसेंस के अंतर्गत प्रत्येक खरीद आदेश/संविका के लिए एक और परिचय चिन्ह अर्थात् (1), (2) आदि कोष्ठक में दिया जाता है, उदाहरण के लिए :—

नियतन के मद्दे जारी किए गए प्रथम एस०ई०सी०/ए०/72/14(जी० प्रो० आयात लाइसेंस के मद्दे संविदाओं आई०)/(1)  
अर्थात् क्षेत्रीय अनुदान के लिए/ एस० ई० सी०/ए०/72/14 (जी प्रो० पावर/वर्ष/नियतन की क्रम सं० आई०)/1(2)  
आयात लाइसेंस की क्रम सं०  
(खरीद आदेश की क्रम सं०)

इसी तरह एक नियतन के मद्दे जारी किए गए द्वितीय आयात लाइसेंस के मद्दे संविदा के लिए यह इस प्रकार होगा :—

एस० ई० सी०/ए०/72/14(जी० प्रो० आई०) 2/(1)  
एस० ई० सी०/ए०/72/14( जी० प्रो० आई०)/2(2)

टिप्पणी :—

उपयुक्त अथवा इन शर्तों में कहीं भी संकेतित परिचय प्रत्यय, लाइसेंस प्राधिकारी एवं लाइसेंसधारी को क्रिया-विधि समझाने के लिए केवल एक उदाहरण हैं एवं उनका प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। आयात लाइसेंस जारी करने समय उस संकेतित किए जाने वाले प्रत्येक नियतन के संबंध में वास्तविक परिचय प्रत्यय वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा संकेतित किए जाएंगे।

लाइसेंस की वैधता अवधि

2. पोतलदान पूरा करने के लिए आयात लाइसेंस 12 मास की प्रारम्भिक वैधता अवधि के लिए लागत-बीमा भाड़ा मूल्य के आधार पर जारी किया जाएगा। लेकिन, जहाँ सुविधियों को पूरा करने के लिए अधिक समय लगने का अनुमान हो, वहाँ लाइसेंस की प्रारम्भिक वैधता अवधि उचित रूप से बढ़ा दी जाएगी।

आयात लाइसेंस की पावती के 15 दिनों के भीतर ही आयातक को चाहिए कि वह आयात लाइसेंस की एक फोटो स्टेट प्रति वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (इस्यू-ई०-2 अनुभाग) नई दिल्ली को भेजे। इस की एक प्रति सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, यू०सी० प्रो० बिल्डिंग, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली को भेजी जानी चाहिए।

आदेश देना

3. यू० के० संभरकों को लागत-बीमा-भाड़ा या लागत भाड़ा के आधार पर पक्के आदेश आयात लाइसेंस के जारी होने से चार मास के भीतर अवश्य ही दे दिए जाने चाहिए। इस संवर्धन में पक्के आदेश का अर्थ है भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा यू० के० संभरक के लिए बाव बासे से पुष्टि-करण द्वारा विधिवत् समर्थित जारी किए गए क्रय आदेश या भारतीय आयातक एवं यू० के० संभरक दोनों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित क्रय संविदा/संविका की म्याद के लिए कीमतें सामान्यतः स्थायी होनी चाहिए।

जब भी किसी भारतीय कंपनी के साथ बीमा किया जाता है तो किण्व को भारत में भारतीय रुपए में चुकाया जाना चाहिए।

आदेश देने में समय वृद्धि

4. यदि पक्के आदेश निर्धारित 4 मास की अवधि के भीतर नहीं दिए जा सकते हैं तो आयात लाइसेंस जारी करने वाले प्राधिकारियों के पास भेजा जाना चाहिए और इसके साथ पक्के आदेशों को देने में विलम्ब के कारणों का और आदेश देने में यथा आवश्यक समय वृद्धि की मांग का संकेत किया जाना चाहिए। ऐसे आदेश पत्रों पर लाइसेंस

प्राधिकारियों द्वारा विचार किया जाएगा जो अधिक से अधिक 2 मास की अवधि वृद्धि की स्वीकृति प्रदान कर सकते हैं। लेकिन, यदि वृद्धि की मांग आयात लाइसेंस के जारी होने से छः मास के अधिक के लिए की जाती है तो इस प्रकार के प्रस्ताव निरपवाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा आर्थिक कार्य विभाग (इस्यू-ई०-2 अनुभाग) वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे जो आदेश भेजेगा।

भुगतान की विधि

5. यू० के०/भारत क्षेत्रीय अनुदान के अंतर्गत मारन पत्र की स्थापना कर सामान्य बैंकिंग सूत्रों के माध्यम से संभरकों को भुगतान की व्यवस्था की जा सकती है, लेकिन नीचे के खण्ड-3 (क) में दिए गए व्यौर के अनुसार ऐसा करने के लिए विशेष प्राधिकरण सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग यू० सी० प्रो० बैंक बिल्डिंग पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली से प्राप्त कर लिया जाना चाहिए।

इसे नोट कर लेना चाहिए कि जब तक प्रारम्भिक 4 मास की अवधि या बढ़ाई गई अवधि के भीतर आदेश देने का काम पूरा नहीं कर लिया गया हो और लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विशेष प्राधिकरण (उपयुक्त कंडिका में संकेत किए गए के अनुसार) प्राप्त नहीं कर लिया जाता, तब तक विदेशी मुद्रा में प्राधिकृत व्यापारी साख पत्र की स्थापना करने की स्वीकृति नहीं देंगे।

भारतीय अधिकर्ता का कमीशन

6. भारतीय अधिकर्ता के किसी कमीशन के लिए भुगतान भारत स्थित अधिकर्ता को भारतीय रुपए में किया जाना चाहिए। लेकिन, इस प्रकार के भुगतान लाइसेंस मूल्य के अंश होंगे और ये, इसलिए, कम के लिए किए जाएंगे।

7. आदेश नकद के आधार पर दिए जाने चाहिए और सभी भुगतान आयात लाइसेंस की वैधता अवधि के भीतर पूर्ण किए जाने चाहिए। अलग-अलग भुगतानों की व्यवस्था माल के पोतलदान हो जाने पर अवश्य की जानी चाहिए। किसी भी प्रकार की साख सुविधा नहीं दी जाएगी।

2. आदेशों/संविकाओं में शामिल की जाने वाली या अन्यथा रूप से ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें।

8. जब आदेश/संविकाएं दी जा रही हों जो कि यू०के० संभरकों को ही दी जानी चाहिए (जिसकी अभिव्यक्ति में ज्वेल आइलैण्ड तथा आइल आफ मैन भी शामिल हैं), लाइसेंसधारी को आदेश/संविकाओं में एक व्यवस्था द्वारा यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि खरीदे गए माल पूर्णतया या प्रधानतया यू०के० में उत्पादित अथवा निमित्त है या होंगे। जब इस प्रकार के माल खरीदने से संबंधित सेवाओं की भी व्यवस्था की जाती है, तो उसमें निहित उपयुक्त व्यवस्था द्वारा इसी प्रकार यह भी सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि ऐसे काम तथा सेवाएं साधारणतया यू०के० निवासी अथवा जो वहां व्यापार कर रहा है, उसके द्वारा प्रदान की जाती है अथवा की जाएगी।

गैर यू० के० तत्व का मापदण्ड

9. (क) आयात लाइसेंस केवल यू०के० में प्राप्त एवं उत्पादित अथवा विनिर्मित सामान एवं अथवा माल के लिए वैध होगा।

(ख) भारतीय आयातक को उसके स्वयं के हित के लिए यह परामर्श दिया जाता है कि वह पहले से ही यू०के० संभरकों से इस बात का सुनिश्चित कर ले कि क्या प्रस्तावित आयातों में किसी प्रकार के गैर यू०के० तत्व हैं और यदि हैं तो उसकी प्रतिशतता क्या है। किसी भी परिस्थिति में उसे यू०के० संभरक के साथ विशेष रूप से इस बात का सुनिश्चित किए बिना पक्की बोनवबद्धता या संविदा नहीं करनी चाहिए।

(ग) जब इस प्रकार की पुष्टता करने पर पता लग जाता है कि आयात किए जाने वाले प्रस्तावित माल में गैर यू०के० तत्व हैं तो इसे वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (इस्यू-ई०-2 अनुभाग) नई दिल्ली को इस बात की पुष्टि के लिए अवश्य ही अवगत करवाना चाहिए कि

आयातक को भावी यू०के० संभरकों के साथ अपने आदेश/संविदा पूर्ण करने पर आगे कार्य करना चाहिए। इस संबंध में हम बात का भी उल्लेख किया जा सकता है कि विशेष मामलों में केवल एक संविदा के मान के जहाज पर निष्पक्ष मूल्य के 20% की सीमा तक के गैर यू०के० मान के लिए यू०के०/भारत क्षेत्रीय अनुदान 1978 के अन्तर्गत वित्तयुक्त के लिए स्वीकृति दी जा सकती है बशर्ते कि गैर यू०के० उत्पादों का एक मुख्य भाग है और गैर यू०के० के मूल के मान स्वतंत्र रूप से आयात किए जाने वाले प्रस्तावित परिष्कृत उत्पादों में प्रयोग नहीं किए जा सकते हैं। इस प्रयोजन के लिए भारतीय आयातकों को चाहिए कि वे विशेष अनुमोदन के लिए निर्धारित प्रपत्र में (अनुबन्ध-2) या अनुबन्ध 2(बी) यू०के० संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित संविदा प्रमाण-पत्र की एक प्रति को संलग्न करने हुए प्राधिकार्य विभाग (डब्ल्यू० ई०-2 अनुभाग) वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को आवेदन करें।

10. नीचे के खण्ड 4 एवं 5 में उल्लिखित प्रलेखन आवश्यकताओं को तथा नीचे के खण्ड 4 में निर्धारित भुगतान की प्रक्रिया को ध्यान में रखा जाना चाहिए तथा संविदा में उचित रूप से सम्मिलित किया जाना चाहिए।

3. संविदा की अधिसूचना संविदा स्वीकृति तथा तत्संबन्धी संशोधन

11. आदेश देने के 15 दिनों के भीतर लाइसेंसधारी को चाहिए कि संविदा अथवा संविदा अधिसूचना की चार प्रतियां (संलग्न अनुबन्ध-1 के रूप में) संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित संविदा प्रमाण-पत्र (संलग्न अनुबन्ध 2 अथवा 2(बी) के रूप में जो भी उपयुक्त हो) की दो प्रतियों के साथ सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, यू०सी०प्रो० विलिंग्ड, पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली को भेजें। संविदा अधिसूचना (अनुबन्ध-1) की एक प्रति वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली को भी पृष्ठांकित की जाए।

12. सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, नई दिल्ली को उपर्युक्त प्रलेखों को (जैसा कि उपर्युक्त पैरा 11 में बताया गया है) भेजते समय लाइसेंसधारी द्वारा यह सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि दस्तावेजों में आयात लाइसेंस की सं० तथा तारीख और अनुदान का शीर्षक (यू०के०/भारत क्षेत्रीय अनुदान 1977) भनी-भाति लिख दिया गया है। लाइसेंसधारी को इस बात का भी अवश्य सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि आयात लाइसेंस का परिचय प्रत्यय सभी दस्तावेजों अर्थात् अग्रेषण पत्र, संविदा, संविदा अधिसूचना, संविदा प्रमाण-पत्र आदि में सकेतिक कर दिया गया है।

#### स्पष्टीकरण

यदि वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली द्वारा 1975 वर्ष के दौरान किसी विशेष नियतन के लिए परिचय प्रत्यय "एस ई सी ए/74/12 (जी ओ आई)" नियत कर दिया गया है तो प्रथम आयात लाइसेंस एवं द्वितीय आयात लाइसेंस के अन्तर्गत दस्तावेजों पर इस प्रकार परिचय प्रत्यय लगाए जाएंगे:—

- |                              |                                |
|------------------------------|--------------------------------|
| (1) प्रथम आयात लाइसेंस       | एस ई सी/ए/75/12 (जी ओ आई)/1    |
| इसके अन्तर्गत प्रथम संविदा   | एस ई सी/ए/75/12(जी ओ आई)/1(1)  |
| इसके अन्तर्गत द्वितीय संविदा | एस ई सी/ए/75/12(जी ओ आई)/1(2)  |
|                              | और आगे इसी तरह                 |
| (2) द्वितीय आयात लाइसेंस     | एस ई सी/ए/75/12 (जी ओ आई)/2    |
| इसके अन्तर्गत प्रथम संविदा   | एस ई सी/ए/75/12(जी ओ आई)/2(1)  |
| इसके अन्तर्गत द्वितीय संविदा | एस ई सी/ए/75/12 (जी ओ आई)/2(2) |

13. किसी भी समय यदि संविदा में संशोधन किया जाता है या संविदा प्रमाणपत्र में उल्लिखित धनराशि से ज्यादा या कम धनराशि के लिए उसके अन्तर्गत यदि कोई जिम्मेदारी निहित की जाती है, तो लाइसेंसधारी को चाहिए कि वह संविदा संशोधन की तारीख से 15 दिनों के भीतर अनुपूर्वक या संशोधित प्रलेखों को जिसमें संविदा के लिए संशोधित प्रतियां और संशोधित संविदा प्रमाण पत्र शामिल हैं, को सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को भेज दे ताकि वे इसकी सूचना यू०के० सरकार को दे सकें।

14. यदि यू०के० संभरक के भारतीय अधिकर्ता के साथ संविदा की जाती है, तो उस यू०के० संभरक के नाम का संकेत होना चाहिए जिसको संविदा के उस स्टालिंग बंध के लिए भुगतान किया जाना है जो केवल इस अनुदान के अन्तर्गत भुगतान के योग्य होगा। ऊपर निर्धारित किए गए के अनुसार ऐसी संविदाओं की प्रतियां (उन संविदाओं की प्रतियां जो यू०के० संभरकों के साथ भारतीय अधिकर्ता द्वारा की गई हैं, यदि इस प्रकार की पृथक संविदाएं हैं) भेज दी जानी चाहिए।

4. यू०के० संभरकों को भुगतान साख-पत्र की प्रक्रिया

15(क) लाइसेंसधारी को चाहिए कि वह दस्तावेजों को भेजते समय (देखें खंड 3) यू०के० संभरकों के नाम में यू०के० से सम्बद्ध बैंकों में से किसी भी एक बैंक में जो विदेशी मुद्रा विनियम करने के लिए प्राधिकृत हो, साख-पत्र खोलने के लिए प्राधिकृत पत्र हेतु सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा, नियंत्रक को आवेदन करें। प्राधिकरण पत्र के लिए आवेदन अनुबन्ध 3 में दिए गए प्रपत्र में किया जाना चाहिए उसके साथ आयात लाइसेंस की फोटो प्रति विनियम दर के स्थापन के लिए दी जानी चाहिए।

(ख) आयातक को विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी से एक बैंक गारन्टी (अनुबन्ध 4 में दिए गए प्रपत्र में) भेजनी चाहिए। बैंक गारन्टी अनुबन्ध 4 में यथा उल्लिखित व्याज एवं अन्य प्रभावों के साथ स्टालिंग धनराशि के बराबर रूप में दर्शाने वाली उस धनराशि के लिए होनी चाहिए जिसके लिए प्राधिकार पत्र/साख पत्र खोला जाना आवश्यक है। परिवर्तन की दर राजस्व विभाग द्वारा अधिसूचित विनियम दर होगी और जो मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना सं०-78 आई टी सी (पी एन) 74, दिनांक 6-6-74 की कड़िका 2 के अनुसार आयात लाइसेंस जारी करने की तारीख को प्रबलित दर होगी। यह दर लाइसेंसधारी द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली बैंक गारन्टी के मूल्य की गणना करने के प्रयोजनार्थ ही होगी। आयातों की कीमत के प्रति सरकारी लेखों में रुपया निक्षेप के प्रयोजन के लिए समतुल्य रूप की गणना सार्वजनिक सूचना सं० 8 आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 में निर्धारित विधि के अनुसार या भविष्य में सरकार द्वारा समय समय पर अधिसूचित दर के अनुसार करनी होगी।

टिप्पणी:—सार्वजनिक क्षेत्र परियोजना द्वारा किसी प्रकार की बैंक गारन्टी की आवश्यकता नहीं है। ऐसे मामलों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की किसी भी शाखा द्वारा (इसकी नियंत्रित शाखा सहित) या राष्ट्रीयकृत बैंकों में से किसी भी शाखा द्वारा साख पत्र खोला जाएगा।

16. यदि आवेदन पत्र सही पाया जाता है तो सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली सम्बद्ध भारतीय मुद्रा विनियम में प्राधिकृत बैंक को अपेक्षित धनराशि के लिए प्राधिकरण पत्र जारी करेगा। प्राधिकरण पत्र में संविदा/खरीद आदेश के परिचय प्रत्यय का उल्लेख होगा जिसका संकेत खोले जाने वाले साखपत्र एवं साखपत्र के अन्तर्गत भेजे जाने वाले सभी दस्तावेज में होना चाहिए। सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा, नियंत्रक द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र के बारे में भी यू०के० बैंक तथा सी ए ओ लन्दन को उपर्युक्त परामर्श देगा। लेकिन, यू०के० बैंक को दिया गया परामर्श सम्बद्ध भारतीय मुद्रा विनियम बैंक को प्राधिकरण की प्रति के साथ भेजा जाएगा जो बचते में इसे साख पत्र खोलते समय यू०के० बैंक को संप्रेषित करेगा

17. प्राधिकरण पत्र के जारी होने की तारीख से एक माह के भीतर सम्बन्ध पत्र खोल दिया जाना चाहिए और ऐसा नहीं करने की स्थिति में प्राधिकरण समाप्त हो जाएगा।

18. साख पत्र में उन शर्तों का उल्लेख होना चाहिए जिनके अधीन लाइसेंस दिया गया है, नीचे के खण्ड 5 में उल्लिखित सभी प्रलेखों के प्रस्तुतीकरण के बाद संभरकों को भुगतान के लिए व्यवस्था होनी चाहिए। भुगतान के बाद प्रलेखों में प्रेषण करने से संबंधित अनुदेशों को पूरी तरह समाविष्ट करना चाहिए और इसे इस शर्त के अधीन खोला जाना चाहिए कि यू०के० में सम्बद्ध बैंक लामी प्राप्त कर्तव्यों को प्रारम्भिक रूप में उनकी अपनी निधि से भुगतान करने के बाद उम की प्रतिपूर्ति भारत में सम्बद्ध बैंक से या सी.ए.ओ. लन्दन से, जैसा भी मामला हो, प्राप्त करेगा। साख पत्र खोलने के सम्बन्ध में भारतीय मुद्रा विनियम बैंक के अनुदेशों को वित्त मंत्रालय द्वारा जारी किए गए प्राधिकरण के पूर्णरूपेण अनुरूप होना चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार का अन्तर नहीं होना चाहिए। साखपत्र में शीर्षक "यू०के०/भारत क्षेत्रीय अनुदान 1978" आयात लाइसेंस संख्या एवं दिनांक, परिचय प्रत्यय और जहां आवश्यक हो, यू०के० सरकार की संविदा अनुमोदन संख्या का गंकेन होना चाहिए।

19. जब साख-पत्र खोला जा रहा हो, तो भारत के प्राधिकृत विदेशी मुद्रा विनियम बैंक आयातक की ओर से इस बात का सुनिश्चय करने के लिए कि प्रलेखन की उपर्युक्त जटिलताओं को नोट कर लिया गया है तथा यू०के० संभरकों द्वारा इनका अनुपालन किया गया है, साख पत्र में आवश्यक शर्तों को शामिल करने पर ध्यान देगा।

20. यदि पहले से ही जारी किए गए प्राधिकार पत्र को आयात लाइसेंस के मूल्य को बढ़ाने के आधार पर संशोधित किया जाना है तो आयातक के आवेदन पत्र के साथ आयात लाइसेंस अथवा उसकी फोटो स्टेट प्रति भेजी जानी चाहिए जिसमें आयात लाइसेंस के मूल्य में बढ़ाई गई धनराशि के लिए लागू विनियम दर का संकेत हो।

#### 5. प्रलेखन

21. यह देखने की जिम्मेदारी आयातक की है कि यू०के० संभरक भेजे गए माल के लिए भुगतान की मांग करने समय यू०के० बैंक के लिए नीचे उल्लिखित प्रलेखों को पूरा करता है और प्रस्तुत करता है:—

- (1) चार फोटो प्रतियां या अन्य किसी विधि से तैयार की गई प्रतियों के साथ मूल बीजक (बीजक में आयातक का नाम और पता), संभरित की गई प्रत्येक मद की मात्रा और विस्तृत विवरण, बिनरण का आधार (लागत भाड़ा या लागत बीमा/भाड़ा) और किसी प्रकार की अनुपयुक्त सेवाएं जिनमें बिनरण या नौबहन या परिवहन बीमा सेवाएं शामिल हैं, उसकी स्टिलिंग लागत को विख्याता जाना चाहिए।
- (2) महासागर या आर्टर लदानपत्र की एक प्रति (या फोटो स्टेट) या वायु-मार्ग बिल या डाक पार्सेल रसीद लदान पत्र में खजों का संकेत होना चाहिए चाहे इनका भुगतान किसी भी मुद्रा में किया गया हो या उम के साथ या खजों का वाहक विवरण दिया जाना चाहिए।
- (3) अनुबन्ध 5 में दिए गए प्रपत्र में भुगतान प्रमाण पत्र की चार प्रतियां ऐसी संविदाओं के सम्बन्ध में इनकी आवश्यकता नहीं है जिनके लिए अनुबन्ध 2 (ख) में दिए गए प्रपत्र में एक संविदा प्रमाण-पत्र (रसायनिक) की पूर्ति की गई है। इस उद्देश्य के लिए संभरक द्वारा भुगतान प्राप्त करने समय भरने के लिए निर्धारित प्रपत्र में भुगतान प्रमाण-पत्र के पांच खाली प्रपत्र साख-पत्र के साथ संलग्न करने चाहिए।
- (4) अनुबन्ध-2 या 2(ख) में निर्धारित संविदा प्रमाण-पत्र की तीन प्रतियां प्रत्येक प्रलेख में छपा शीर्षक परिचय प्रत्यय, आयात लाइसेंस के व्योरे और वित्त मंत्रालय द्वारा जारी किए गए साख प्राधिकरण पत्र के व्योरों को अवश्य प्रदर्शित करना

चाहिए। (यदि निकासी अभिकर्ता द्वारा इन व्योरों का उल्लेख करना संभव हो तो लदान बिल में आयात लाइसेंस के व्योरों को नहीं दर्शाया जा सकता है।)

22. यू०के० संभरक को भुगतान किए जाने के बाद यू०के० का सम्बन्ध बैंक भारतीय सम्बन्ध बैंक को प्रलेखों का मूल परकामय सेट वायुमार्ग से भेजेगा।

23. (क) भारतीय बैंक यू०के० बैंक को उम के द्वारा बैंक प्रभारों सहित यू०के० संभरकों को किए गए भुगतानों की प्रतिपूर्ति प्रेषण द्वारा करेगा। भारतीय बैंक द्वारा आयातकों से इस प्रकार की विदेशी मुद्रा परेषणों की तत्संबंधी समतुल्य रूप में बसूली दोनों के बीच हुई सहमति से तय की गई व्यवस्थाओं के अनुसार की जाएगी। यू०के० बैंक भी पूर्ण किए गए भुगतान प्रमाण पत्र की एक अपरकाम्य प्रति सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, नई दिल्ली को भेजेगा।

उन मामलों में जहां भुगतान सी०ए०ओ० लन्दन द्वारा किया जाना है वहां यू०के० बैंक सी०ए०ओ० लन्दन से प्रतिपूर्ति का वावा करेगा और इस प्रयोजन के लिए सभी प्रलेखों को प्रस्तुत करेगा। सी०ए०ओ०, लन्दन स्टेट बैंक आफ इण्डिया लन्दन के माध्यम से यू०के० बैंक को भुगतानों की व्यवस्था करेगा।

6. यू०के० अनुदान के अन्तर्गत/वपया निक्षेप के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त के लिए भारत सरकार को सक्षम बनाने में भारतीय बैंक की जिम्मेदारी।

24. भारतीय बैंक, बैंक प्रभारों के साथ इसके द्वारा यू०के० संभरकों को स्टिलिंग भुगतान की प्रतिपूर्ति के बाद (देखें कंडिका 23) या सम्बद्ध बैंक से जहाजरानी वस्तावेजों के साथ भुगतान का नोटिस प्राप्त होने के सात दिन के भीतर, आवश्यक प्रलेखों को सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, नई दिल्ली को भेजे ताकि भारत सरकार यू०के० अनुदान के अन्तर्गत आवश्यक प्रतिपूर्ति प्राप्त करने में सक्षम हो सके। भेजे जाने वाले प्रलेख में हैं:—

- (1) यू०के० संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित अनुबन्ध 2 या अनुबन्ध-2(ख) जैसा उचित हो, में दिए गए रूप में संविदा प्रमाण पत्र तथा संबंधित साख-पत्र की एक प्रति।
- (2) यू०के० संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित अनुबन्ध-3 में दिए गए के अनुसार भुगतान प्रमाण-पत्र।
- (3) खण्ड-5 में उल्लेख किए गए के अनुसार बीजक तथा लदान बिल जहां संविदा के अन्तर्गत यू०के० संभरक को एक अधिक भुगतान किया जाता है, संविदा प्रमाणपत्र तथा साख पत्र की एक प्रति भेजने की आवश्यकता केवल प्रथम भुगतान के लिए है। आगामी बीजक के लिए सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, नई दिल्ली को भेजना आवश्यक है किन्तु परिचय प्रत्यय को संबंधित प्रमाणपत्र तथा साख पत्र में उद्धृत किया जाना चाहिए।

25. उन मामलों में जहां भारतीय बैंक, यू०के० बैंक से लदान वस्तावेज के साथ भुगतान का नोटिस प्राप्त करता है, भारतीय मुद्रा विनियम बैंक आयातक से "मिनी जुनी मुद्रा विनियम दर" से आयात की कीमत, रुप में वसूल करेगा (देखें उपर्युक्त पैरा 19) (ख) और इसके साथ यू०के० बैंक द्वारा यू०के० संभरकों को किए गए भुगतान की तारीख से लेकर सरकारी लेखों में समतुल्य खपया जमा करने की तारीख तक दोनों दिन सम्मिलित है। बी अवधि के लिए, सार्वजनिक सूचना सं० 46-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 16-6-76 में अधिमूर्चित दर पर व्याज प्रभार भी लगे। इस सम्बन्ध में रिजर्व बैंक आफ इंडिया बम्बई के ए०डी० परिपत्र संख्या 22 दिनांक 18-6-77 में निहित अनुदेशों का सख्ती से अनुपालन किया जाना चाहिए।

#### समतुल्य रुप का निक्षेप

26. उपर्युक्त उल्लिखित धनराशि भारतीय बैंक द्वारा भारत सरकार के लेखों के लिए रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ



इंडिया, सीम हजारी शाखा दिल्ली में जमा करानी चाहिए या जहाँ यह संभव न हो तो इसे स्टेट बैंक आफ इंडिया के नाम में वर्षाणी वृष्णी द्वारा प्रेषित किया जाना चाहिए। रुपया निक्षेप सार्वजनिक सूचना संख्या 103 आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 द्वारा यथासंशोधित सार्वजनिक सूचना संख्या 103 आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 के लिए प्रकाशित अनुबंध में दिए गए राजकोष चालान प्रपत्र किया जाना चाहिए। इसके बाद निक्षेप के साध्य को दर्शाते हुए राजकोष चालान रजिस्ट्री डाक द्वारा सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, नई दिल्ली को भेज देना चाहिए और उसमें सेबीलक, लवान प्रलेखों एवं जिस अनुभाग से सौदा संबंधित है उसके प्राधिकरण की प्रतियां होनी चाहिए एवं उनके सन्तुष्टों का संकेत होना चाहिए।

सम्बद्ध भारतीय बैंक इस तरह सेवा प्रभागों के आधार पर ऐसी अनिश्चित धनराशि की भारत सरकार द्वारा मांग किए जाने के 7 (सात) दिनों के भीतर ही जमा करने की व्यवस्था करेगा।

लाइसेंसधारी को सार्वजनिक सूचना संख्या 184-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 30 अगस्त 1968 के लिए अनुबंध-2 में यथा सम्मिलित प्रपत्र "एस" दो प्रतियों में भरना चाहिए और उन्हें उक्त सार्वजनिक सूचना में निर्धारित क्रियाधिधि के अनुसार रुपया निक्षेप की व्यवस्था करते समय प्रस्तुत करना चाहिए।

#### रुपया निक्षेप के लिए लेखा शीर्षक

27. भारत सरकार के क्रेडिट में व्याज प्रभागों सहित जमा की जाने वाली धनराशि निम्नलिखित लेखा शीर्षक के अंतर्गत जमा की जाएगी :-

"के डिपोजिट्स एंड एडवांसेस 843 मिबिल डिपोजिट्स—डिपोजिट्स फार परचेजस एक्सेट्रा एक्सा—डिपोजिट्स अंडर यू०के०/इंडिया सेक्युरिटी 1978" और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, नई दिल्ली को लेखा अधिकारी के रूप में दर्शाया जाएगा जो इस क्रेडिट का समंजन करेगा।

#### लेखा अधिकारी .

#### बैंक गारंटी को रिहा करना

28. बैंक गारंटी एवं वित्त मंत्रालय द्वारा जारी किए गए प्राधिकरण के अनुसार आधार पूर्ण हो जाने के बाद, सम्बद्ध भारतीय बैंक, बैंक गारंटी की रिहाई के लिए सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, नई दिल्ली को आवेदन कर सकता है। सम्बद्ध भारतीय बैंक द्वारा न कि आवेदक द्वारा) आवेदन पत्र भेजा जाना चाहिए और यह अनुबंध 6 में निर्धारित प्रपत्र में होना चाहिए।

#### 7. आयात लाइसेंस के उपयोग किए जाने के संबंध में रिपोर्ट रिपोर्ट भजना

29. अनुबंध-7 में यथा संलग्न प्रपत्र में लाइसेंस के उपयोग किए जाने की स्थितियों को प्रदर्शित करने हुए एक रिपोर्ट, जिस तिमाही से यह सम्बद्ध हो उसके अगले मास की 15 तारीख को वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (डब्ल्यू ई-2 अनुभाग) नई दिल्ली को भेजी जानी चाहिए और इसकी एक प्रति सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग, यू०सी०ओ० बैंक ब्रिडिंग, नई दिल्ली को भेजी जानी चाहिए।

#### 8. विविध

यू०के० संभरकों से धन वापसी

30. लाइसेंसधारी द्वारा यू०के० संभरक या किसी संबिवाकर्ता (बीमा कंपनी आदि) से धन वापसी या बीमा दावे को निपटाने में या अन्यथा रूप से किस प्रकार की धनराशि प्राप्त होती है तो ऐसी धनराशि संभरक द्वारा यू०के० के सम्बद्ध बैंक को (जिसके द्वारा प्रारम्भ में यू०के० संभरक को भुगतान किया गया था) इन अनुदेशों के साथ वापस की जानी चाहिए कि वे बदले में इस धनराशि को अनुदान लेख में जमा करने के लिए

तुरन्त सी ए ओ, लंदन को वापस कर दें। अनुदान लेख में इस प्रकार की धनराशि जमा करने के बाद वित्त मंत्रालय द्वारा रुपए में इसके बराबर धनराशि को आयातक को उसके द्वारा दावे की पावती के बाद वापस कर दिया जाएगा। यदि किसी प्रकार की धन वापस ऋण समाप्त होने के बाद प्राप्त होती है तो वह संभरक द्वारा सीधे ही आयातक को दे दी जाएगी।

#### धनवापसी की रिपोर्ट भजना

31. जब और जैसे ही ऐसी धनवापसी प्राप्त होती है तो उसकी एक रिपोर्ट अनुबंध-7 में दिए गए प्रपत्र में वित्त मंत्रालय को भेजी जानी चाहिए और इसकी एक प्रति सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को भेजी जानी चाहिए।

विशेष शर्तों, व्यवस्थाओं के लिए अधिसूचित किए जाने वाले संभरक

32. आयात लाइसेंस में ऐसी कोई विशेष शर्त हो जो कि संभरक पर सौदे के पालन करने में प्रभाव डाले तो लाइसेंसधारी को चाहिए कि वह संभरक को इनसे अवगत करा दें।

#### विवाद

33. यह जान लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच यदि किसी प्रकार का विवाद उठ खड़ा होता है तो भारत सरकार किसी प्रकार की जिम्मेदारी नहीं लेगी।

#### परिष्कार के लिए अनुदेश

34. आयात लाइसेंस या इससे संबंधित किसी एक या सभी मामलों के संबंध में तथा अनुदान करार के अंतर्गत सभी प्रकार के आधारों को पूरा करने के संबंध में सरकार द्वारा जारी किए गए निर्देशों, आदेशों या अनुदेशों का तुरन्त पालन करेगा।

#### उत्पलन या अतिक्रमण

35. उपर्युक्त कंडिका में दी गई शर्तों के उत्पलन या अतिक्रमण करने पर आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 एवं इसके अंतर्गत जारी किए गए आदेशों के अधीन उचित कार्यवाई की जाएगी।

#### 9. अनुबंधों की सूची

- |                |  |
|----------------|--|
| 1. अनुबंध-1    | संविदा की अधिसूचना   |
| 2. अनुबंध-2    | संविदा का प्रमाण-पत्र                                      |
| 3. अनुबंध-2(ख) | संविदा प्रमाण-पत्र (सामायनिक)                              |
| 4. अनुबंध-3    | साख-पत्र प्राधिकरण के लिए आवेदन पत्र का प्रारूप            |
| 5. अनुबंध-4    | बैंक गारंटी का प्रपत्र                                     |
| 6. अनुबंध-5    | भुगतान प्रमाण-पत्र   |
| 7. अनुबंध-6    | बैंक गारंटी की रिहाई के लिए आवेदन पत्र का प्रारूप          |
| 8. अनुबंध-7    | आदेश देने एवं आयात लाइसेंस के उपयोग के लिए                 |
| 9. अनुबंध-8    | रिपोर्ट करने के लिए प्रपत्र धन वापसी की रिपोर्ट का प्रपत्र |

## अनुबन्ध-1

यू० के०/भारत क्षेत्रीय अनुदान, 1978

संविदा की अधिसूचना

सेवा में,

समुद्र पार सरकार एवं प्रशासन के लिए काउन् एजेंट

4 मिलबैंक

लन्दन एस० डब्ल्यू-1

संविदा की अधिसूचना संख्या—

परिचय प्रत्यय—

संविदा के निम्नलिखित ब्यौरे ये हैं जिसके अन्तर्गत यह प्रस्तावित किया जाता है कि उपर्युक्त अनुदान शर्तों के अनुसार भुगतान किया जाएगा :—

1. यू० के० संविदाकर्ता का नाम तथा पता
2. संविदा का दिनांक
3. भारतीय खरीददार का नाम
4. माल का संक्षिप्त ब्यौरा तथा/अथवा कार्य अथवा सेवाएं
5. संविदा का मूल्य (पौड)
6. भुगतान की शर्तें

भारत सरकार की ओर से हस्ताक्षरित  
दिनांक—

## अनुबन्ध-2

परिचय प्रत्यय संख्या—

यू० के०/भारत क्षेत्रीय अनुदान, 1978

संविदा प्रमाण-पत्र

संविदा का ब्यौरा

1. क-संविदा की तारीख— 1.(ख) संविदा की संख्या—
2. क-आयात लाइसेंस संख्या— 2.(ख) दिनांक—
3. खरीददार को दिए जाने वाले माल अथवा सेवाओं का विवरण—

(यदि कई मवों की पूर्ति की जानी है, तो इस प्रमाणपत्र के साथ उसकी एक विस्तृत सूची लगा देनी चाहिए)

4. जेता द्वारा देय कुल संविदा मूल्य (लागत बीमा-भाड़ा, लागत तथा भाड़ा या जहाज पर निशुल्क का उल्लेख कीजिए) पौड—

यदि माल का संभरण किया जाता है, तो निम्नलिखित खण्डों का अनुपालन करना अनिवार्य है

(यदि संविदाकर्ता केवल नियतक-अभिकर्ता है, तो मांगी हुई सूचना निर्माणकर्ता से प्राप्त करनी चाहिए)

5. खरीददार को संभरण किए जाने कीमत पौड यू० के० टेरिफ/ट्रिड कोड संख्या

6. जो माल यू० के० मूल का नहीं है, परन्तु संविदाकार द्वारा सीधे बाहर से खरीदा गया है तो जहाज पर निशुल्क मूल्य का अनुमानित प्रतिशत जैसे विनिर्माण में उपयोग में लागू गए आयातित कच्चे माल या संघटकों का प्रतिशत

(क) प्रतिशत जहाज पर निशुल्क मूल्य—

(ख) मवों का विवरण और संक्षिप्त विनिर्माण—

7. यदि विदेश मूल के किसी कच्चे माल या संघटकों का उपयोग किया गया हो, जैसे लाम्बा, अरवू, कपाम, लकड़ी लुगदी आदि, परन्तु संविदाकर्ता द्वारा इस संविदा के लिए इनकी खरीद यू० के० में की गई है तो उनका उल्लेख करें :—

(क) प्रतिशत जहाज पर निशुल्क मूल्य—

(ख) मवों का विवरण और संक्षिप्त विनिर्माण—  
यदि सेवाएं प्रदान की जानी हैं तो निम्नलिखित खण्डों की भी पूर्ति की जानी चाहिए :—

8. नीचे लिखे द्वारा किए गए किसी काम या खरीददार के देश में निष्पादित सेवाओं का अनुमानित मूल्य बताएं :—

(क) आपकी फर्म (स्थल, अभियंता के खर्च आदि) —

(ख) स्थानीय संविदाकर्ता—

9. उपर्युक्त कंडिका 6, 7 अथवा 8 में दी गई विदेशी मवों के उपयोग के कारण बताएं, जैसे उपकरण के पूर्ण भाग आदि के लिए यू० के० के बराबर उपलब्ध नहीं है।

10. उपर्युक्त कंडिका 6, 7, या 8 के सम्बन्ध में जैसा आवश्यक हो, टिप्पणी—

11. मैं एतद्वारा घोषणा करना हूँ कि नीचे लिखे संविदाकर्ता द्वारा मैं यू० के० में नियोजित किया गया हूँ और इस प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकार मुझे प्राप्त है। मैं एतद्वारा यह जिम्मेवारी लेता हूँ कि उपर्युक्त कंडिका 6, 7, 8 और 10 में विनिर्दिष्ट को छोड़कर किसी और माल या सेवाओं का जो यू० के० मूल की नहीं है, संविदा के निष्पादन में संभरण नहीं किया गया है।

हस्ताक्षरित—

पद जिस पर वह है—

संविदाकर्ता का नाम और पता—

दूरभाष संख्या—

दिनांक—

टिप्पणी :—इस घोषणा के लिए यू० के० दि केवल आइलैंड और आइलैंड आफ मैन को शामिल करता है।

संविदाकर्ता को यह नोट कर लेना चाहिए कि तब तक माल का विनिर्माण नहीं किया जाना चाहिए जब तक अनुमोदन अधिसूचित न कर दिया गया हो।

केवल कार्यालय के प्रयोग के लिए

परियोजना का नाम एवं संख्या—

भुगतान

दिनांक पी० ए० आयात  
धनराशि सं०

वचनबद्ध प्रविष्टि की अनुमोदन  
धनराशि तारीख दिनांक आयात

पौड

## अनुबन्ध-2(ख)

यू० के०/भारत क्षेत्रीय अनुदान, 1978

केवल रसायन एवं सम्बद्ध उत्पादों के लिए संविदा प्रमाण-पत्र

1. संविदा की तिथि— संविदा की संख्या—  
आयात लाइसेंस संख्या— दिनांक—  
परिचय प्रत्यय—

2. खरीददार को संभरण पौड मूल्य यू० के० वर सूची क्या उत्पाद यू० के० किए जाने वाले उत्पाद वर्गीकरण सं० मूल का है ?  
(वों) का विवरण (टिप्पणी-ख) (टिप्पणी 'ग'  
(टिप्पणी-क) देखिए)  
हो या नहीं लिखिए

3. खरीददार द्वारा भुगतान की जाने योग्य कुल (अनुमानित) संविदा कीमत स्टलिंग-पौंड में

4. (घोषणा) मैं एन्ड द्वारा घोषित करता हूँ कि नीचे लिखे संविदाकर्ता द्वारा मैं यू० के० में नियोजित किया गया हूँ और वेध प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकार सुझे प्राप्त है और उपर्युक्त सूचना सही है।

हस्ताक्षरित—

पद जिस पर है—

संविदा कर्ता का नाम और पता—

दिनांक—

टिप्पणी:—(क) इन प्रपत्र का प्रयोग केवल रसायन तथा संबंधित उत्पादों के लिए किया जाना है जिसमें अधिकतर को यू० के० वर सूची के अध्याय 15, 25, 26, 36 तथा 37, 40 के उपर्युक्त उपशीर्षकों द्वारा सम्मिलित किया गया है।

ख—देखिए:—

1. एच०एम० कस्टम तथा एन्साईज टैरिफ एच०एम० एम० ओ०

2. ट्रेड्समैन नामावली एच०एम०एम०ओ० में रसायनों का वर्गीकरण

ग—(1) यदि उत्पाद पूर्णतया यू० के० देशी माल से तैयार किया गया है तो उत्पाद यू० के० मार मूल का समझा जाता है अथवा उपर्युक्त ई०एफ०टी०ए० विशेष विधि के अनुसार पूर्णतया अथवा अंशतः आयातित माल प्रयोग किया जाता है।

(2) एच०एम०एम०ओ० नियतकों के प्रयोग के लिए ई०एफ०टी०ए० विशेष विधि, ई०एफ०टी०ए० मार्गसंग्रह के सूचक 1 में बताई गई है।

(3) प्रस्तुत घोषणा के लिए इस पर बल दिया जाता है कि “विकल्पी प्रतिशत निकास” लागू नहीं होता है।

(4) उपर्युक्त सूचक में जहाँ कहीं शब्द “क्षेत्र मूल” आते हैं उनका तात्पर्य केवल यू० के० मूल से है।

(5) प्रस्तुत घोषणा के लिए “माल की सूची” (ई०एफ०टी०ए० मार्गसंग्रह का सूचक-3) लागू नहीं होता है।

(6) यदि विषयाधीन माल के लिए विशेषक विधि सूची बद्ध नहीं है तो क्राउन एजेंट फार ओवरसीज गर्वन्मेंट एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन, 4, बिल बैंक, लंदन, एम० डब्ल्यू० एल-1 से सलाह लेनी चाहिए।

इस घोषणा के लिए यू० के०, चैनल आईलैंड तथा आईलैंड आफ मैन को शामिल करता है।

#### अनुबन्ध 3

साख पत्र प्राधिकरण के लिए आवेदन पत्र का प्रपत्र

परिचय प्रत्यय—

सेवा में,

सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक,  
आर्थिक सहायता लेखा शाखा  
वित्त मंत्रालय,  
आर्थिक कार्य विभाग  
यूनाइटेड कमिश्नियल बैंक बिल्डिंग,  
पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

विषय:—यू० के०/भारत क्षेत्रीय अनुदान-1978 के अन्तर्गत यू० के० से ————— का आयात।

महोदय,

उपर्युक्त यू० के०/भारत क्षेत्रीय अनुदान 1978 के लिए यू० के० से ————— का आयात करने के सम्बन्ध में हम निम्नलिखित विवरण भेजते हैं, जिससे आप हमें हमारे बैंकों के

माध्यम से आपके द्वारा मनोनीत यू० के० बैंक में साख पत्र खोलने के लिए प्राधिकरण जारी करने में समर्थ हो सकें:—

(क) आयात लाइसेंस का विवरण:—

(ख) (1) पूरी सं० एवं दिनांक—मूल्य  
(रुपए.)—निधि जिस तक  
वेध है—

(ग) लाइसेंस का स्टलिंग में मूल्य  
(लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा आयात लाइसेंस में संकेतित विनियम दर पर गणना की गयी)

(घ) पहले से ही दिए गए आदेशों का क्रमिक स्टलिंग मूल्य जिसके लिए प्राधिकार पत्र प्राप्त किए गए हैं (प्राधिकार पत्र की सं० एवं स्टलिंग मूल्य को दर्शाने वाला एक विवरण संलग्न किया जाना चाहिए)

(ङ) यू० के० संभरक/संभरकों का नाम और पता बताते हुए दिए गए आवेदक का स्टलिंग मूल्य जिसके लिए प्राधिकरण की जरूरत है और प्रत्येक संभरक के लिए (दिए गए आवेदक और उसके लिए यू० के० संभरक की स्वीकृति की प्रति संलग्न की जाती है) अलग-अलग अपेक्षित प्राधिकरण की धनराशि/धनराशियां।

(च) सम्बद्ध यू० के० बैंक का नाम जिसमें साख पत्र संस्थापित किया जाना है।

(छ) उस भारतीय बैंक का नाम जिसमें बैंक गारन्टी भेजी है और जो उन मामलों में साखपत्र खोलनेवाला जिनमें इस सार्वजनिक सूचना का खण्ड 3(ख) लागू होता है।

(ज) उन मामलों में जहाँ बैंक गारन्टी की आवश्यकता नहीं है तो उस भारतीय बैंक का नाम जो प्राधिकार पत्र खोलेशा।

————— द्वारा भेजी गयी बैंक गारन्टी  
(बैंक का नाम)

जो स्टाम्प अधिनियम, 1899 की धारा 31 की व्यवस्थाओं के अनुसार समाहर्ता द्वारा विधिवत निर्णीत की गयी है, संलग्न है।

टिप्पणी:—खण्ड 3(क) के अन्तर्गत आने वाले मामलों में मत्र (च) लागू नहीं है।

भवदीय,

(लाइसेंसधारी के हस्ताक्षर एवं पूरा पता)

अनुबन्ध-4

बैंक गारन्टी का प्रपत्र

सेवा में,

भारत के राष्ट्रपति,  
द्वारा सचिव,  
भारत सरकार,  
वित्त मंत्रालय  
अर्थ कार्य विभाग,  
नई दिल्ली

महोदय,

भारत के राष्ट्रपति के हेतु जिन्हें आपके “सरकार” कहा गया है निम्न-लिखित द्वारा आयात किये जाने वाले माल की कीमत का विदेशी मुद्रा में भुगतान की व्यवस्था करने के लिये सहमत होते हुए:—

1. \* (1) ————— व्यक्ति/भागीदार  
(2) ————— नाम के अधीन काम कर रहा  
(3) ————— सर्वश्री

(नाम और पता)

\*सर्वश्री ————— एक कम्पनी जिसका पंजीकृत कार्यालय ————— राज्य ————— में है जिन्हें आपके ————— रूप के लिये प्रदान किये गये आयात लाइसेंस संख्या ————— दिनांक ————— के

अन्तर्गत "आयातक" कहा गया है, हम एतद्द्वारा गारण्टी देने हैं कि रिजर्व बैंक आफ इण्डिया, नई दिल्ली/स्टेट बैंक आफ इण्डिया, तीस हजारी शाखा दिल्ली में सरकार के खाते में या स्टेट बैंक आफ इण्डिया तीस हजारी शाखा दिल्ली के नाम दर्शनी हुण्टरी जो उक्त तीस हजारी शाखा को (केन्द्रीय सरकार के लेखे में क्रेडिट के लिये) अग्रसारित की जानी है, के द्वारा निम्नलिखित धनराशि जमा करने की व्यवस्था करेंगे:—

- (1) वित्त मंत्रालय द्वारा जारी किये गये साखपत्र प्राधिकरण के अधीन यू०के० बैंकों द्वारा स्टलिंग में किये गये भुगतानों को प्रवर्धित करने हेतु बीजक के मूल्य के बराबर रुपयों के भुगतान की सूचना और लब्धन वस्तावेजों की यू०के० बैंकों से प्राप्ति के गत दिनों के भीतर मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात द्वारा निर्धारित की गई मुद्रा विनिमय की मिश्रित दर पर धनराशि वैश्वीय सार्वजनिक सूचना संख्या-108 आई०टी०सी० (पी०एन)/72, दिनांक 21 जुलाई, 1972 और संख्या 8 आई०टी०सी० (पी०एन)/76, दिनांक 17-1-76 के साथ पढ़ी जाने वाली सार्वजनिक सूचना संख्या-15 आई०टी०सी० (पी०एन)/72 दिनांक 28-1-72 और जो विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारियों को समय-समय पर अनुवर्ती सार्वजनिक सूचना या रिजर्व बैंक आफ इण्डिया द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किए जाएं और उक्त धनराशि पर यू०के० संभारकों की भुगतान करने की तिथि से समतुल्य रुपये भुगतान करने की तिथि तक (दोनों दिन सम्मिलित हैं) जैसा कि सार्वजनिक सूचना सं० 46-आई०टी०सी० (पी०एन)/76, दिनांक 16-6-76 में अधिसूचित किया गया है कि अवधि के लिये प्रथम 30 दिनों के लिये 9% प्रतिवर्ष की दर से और 30 दिनों से अधिक अवधि के लिये 15% वार्षिक की दर से ब्याज और बैंक प्रभार।

- (2) ऐसी अनिश्चित धनराशि जो कि सेवा प्रभार के लिये देय होने पर सरकार द्वारा मांगी जा सकती है, मांगी जाने के 7 दिनों के भीतर।

2. आयातकों द्वारा उपर्युक्त भुगतान करने में असफल रहने पर सापर-धाही करने की स्थिति में हम-----सरकार को उसके द्वारा मांग करने पर ऐसी धनराशि जो-----रुपये से अधिक न हो (और उस पर उपर्युक्तानुसार ब्याज और सेवा प्रभार हो) बिना किसी आपत्ति के चुकाने का वचन लेते हैं और आयातकों की ओर से ऐसी असफलता या लापरवाही के सम्बन्ध में और हमारे द्वारा सरकार को देय धनराशि के सम्बन्ध में सरकार का निर्णय हमारे लिये अन्तिम और अनिवार्य होगा।

3. हम-----सहमत हैं और वचन लेते हैं कि जब तक यथा पूर्वोक्त तुल्य रुपया या कोई अन्य देय धनराशि जो सरकार द्वारा मांगी जाए, सरकार के खाते में जमा नहीं कर दी जाती तब तक आयातकों को पोम परिवहन वस्तावेज रिहा नहीं किये जाएंगे।

4. हम-----सहमत हैं और वचन देते हैं कि इस गारण्टी को इसके लागू होने के दौरान सरकार को लिखित रूप में पूर्ण सहमति के बिना रद्द नहीं करेंगे।

5. इसमें निहित गारण्टी, आयातकों अथवा हमारी संस्था के संविधान में होने वाले किसी भी परिवर्तन से प्रभावित नहीं होगी।

6. सरकार की इस गारण्टी को प्रभावित किए बिना उपर्युक्त निर्दिष्ट आयात लाइसेंस की शर्तों में कोई परिवर्तन करने या समय-समय पर आयातकों द्वारा भुगतान करने की अवधि में वृद्धि करने या इसके द्वारा किसी समय तथा समय-समय पर आयातकों के प्रति प्रयोग किस जाने वाले अधिकारों को स्थगित करने की पूर्ण स्वतंत्रता होगी और इस गारण्टी में पूर्वोक्त धनराशि के संबंध में सरकार द्वारा कोई भी अधिकार प्रयोग करने की स्वतंत्रता के कारण अथवा आयातकों को दिए जाने वाले समय से परिवर्तन या वृद्धि के कारण अथवा सरकार की ओर से किसी प्रतिबंध अधिनियम या छूट अथवा सरकार द्वारा आयातकों पर किसी प्रकार की क्षमा

अथवा कोई भी मामला या वस्तु, जो कि कानून के अनुसार प्रविष्टियों से संबद्ध हो इस परन्तुक के लिये, हमारे----- (बैंक का नाम) दायित्वों पर कोई भी प्रभाव डाले बिना हम-----हमारे दायित्व से मुक्त नहीं करेंगे।

इस बाण्ड गारण्टी के अन्तर्गत हमारा दायित्व-----रूपए (जमा यथा पूर्वोक्त ब्याज तथा सेवा प्रभार) तक प्रतिबंधित है और यह लिखित-----मास-----198-----तक लागू रहेगा। हम ऐसे अनिश्चित निक्षेप करने का भी वचन लेते हैं। जो कि मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात का सार्वजनिक सूचना संख्या 108 आई०टी०सी० (पी०एन)/72, दिनांक 21 जुलाई, 1972 के साथ पढ़ी जाने वाली सार्वजनिक सूचना संख्या 15 आई०टी०सी० (पी०एन)/72 दिनांक 28 जनवरी, 1972 की शर्तों के अनुसार या समय-समय पर अधिसूचित सार्वजनिक सूचना के अनुसार आवश्यक हों। इस तिथि से 6 महीनों के भीतर इस बाण्ड/गारण्टी के अधीन लिखित रूप से दावे हो जाने के बाद और अगले 6 महीनों के भीतर इन दावों को लागू करने के लिए आवेदन या कार्रवाई हो जाने के बाद अर्थात्-----तक इस बाण्ड/गारण्टी के अधीन सरकार की सभी अधिकार समाप्त हो जाएंगे और इसमें निहित सभी उत्तरदायित्वों से हमें छूटकरा और मुक्ति मिल जायेगी।

भवदीय,

स्थान: (बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर  
दिनांक और बैंक का पूरा पता)

(बैंक गारण्टी एक न्यायकेतर स्टाम्प पेपर पर लिखावित की जानी है, स्टाम्प का मूल्य भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 की धारा 31 की शर्तों के अनुसार समाहर्ता द्वारा निर्णित की जाएगी।)

\*जो लागू न हो उसे काट दे।

\*\*जिस तिथि तक सभी भुगतान पूर्ण हो जाने की आशा है उस तिथि में 1 मास जोड़ कर वह तिथि मिली जाएगी।

#### अनुबन्ध 5

#### परिचय प्रत्यय

यू०के०/भारत क्षेत्रीय अनुबन्ध, 1978

भुगतान प्रमाण-पत्र

मैं एतद्द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि:—

1. नीचे सूचीबद्ध किए गए बीजक में उल्लिखित भुगतान, वह या उसकी प्रतियां इस भुगतान प्रमाण-पत्र के साथ लगी हैं, बाकी हैं या नीचे लिखे गए संविदाकर्ता और-----के बीच संविदा संख्या-----तारीख-----के सम्बन्ध में बाकी पूरे किए जाने वाले हैं, और संविदा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत अधिसूचित इस संविदा के विवरण के अनुसार हैं जो तारीख को उक्त संविदाकर्ता के नाम पर हस्ताक्षरित है।

संविदाकर्ता के बीजक की संख्या	तारीख	धनराशि	माल कार्य और/या सेवाओं का संक्षिप्त विवरण
-------------------------------	-------	--------	---

2. कंडिका 1 में जो धन-राशियां विनिश्चित की गयी हैं, वे संविदा प्रमाण-पत्र की कंडिका 5, 6, अथवा 7 में बताई गयी के लिए किसी अनिश्चित द्वितीय वस्तु को शामिल नहीं करती है।

3. नीचे लिखे संविदाकर्ता के नाम पर इस प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने का मुझे अधिकार है।

हस्ताक्षर-----  
तारीख----- पद जिस पर वह है-----  
संविदाकर्ता का नाम और पता-----

टिप्पणी:—इस घोषणा के लिए यू०के०, चेनल ऑफ आइरलैंड और आइलज आफ मैन को शामिल करता है।



## अनुबन्ध-6

बैंक गारन्टी मुक्त कराने के लिए आवेदन पत्र का प्रपत्र

परिचय प्रत्यय संख्या—

सेवा में,

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा, नियंत्रक,  
वित्त मंत्रालय,  
आर्थिक कार्य विभाग,  
यूनाइटेड कमिशनल बैंक बिल्डिंग,  
पार्लियामेंट स्ट्रीट,  
नई दिल्ली ।

महोदय,

हम बैंक गारंटी संख्या—दिनांक—  
धनराशि रुपए—के अधीन अपने उत्तरदायित्व का  
पालन करने में हमारे द्वारा जमा किए गए रुपए की विस्तृत जानकारी  
हम आवेदन के साथ नीचे प्रस्तुत कर रहे हैं कि वह बैंक गारंटी मुक्त  
की जाए और हमें लौटा दी जाए—

1. आयातक/लाइसेंसधारी जिसकी ओर से गारंटी प्रस्तुत की गई थी,  
का नाम और पूरा पता ।

2. आयात लाइसेंस संख्या, दिनांक, मूल्य और उसके अधीन आयात  
के लिए अनुमिit पण्यवस्तुओं का संक्षिप्त विवरण ।

3. साख-पत्र खोलने के लिए वित्त मंत्रालय से प्राप्त किए गए प्राधि-  
करण (ऋणों) के व्योरे

(क) पत्र संख्या और दिनांक

(ख) प्राधिकरण की धनराशि

(ग) यू० के० अनुदान ।

4. आयातों और जमा किए गए रुपए के व्योरे (प्रत्येक साख-पत्र  
प्राधिकरण के लिए अलग-अलग दिए जाने हैं) ।

(क) खोले गए साख-पत्र के व्योरे (संख्या, दिनांक, मूल्य और संभरक  
का नाम)

(ख) प्रत्येक साख-पत्र में सम्बन्धित बीजक की संख्या और दिनांक

(ग) स्टलिंग में बीजक की धनराशि (वास्तविक)

(घ) जमा किए गए रुपए की धनराशि

(ङ) सम्बन्धित चालान संख्या और दिनांक और राजकोष/बैंक का  
नाम

(च) यदि डिमांड ड्राफ्ट द्वारा है, तो डिमांड ड्राफ्ट की संख्या  
और दिनांक और जिसके साथ डिमांड ड्राफ्ट स्टेट बैंक ऑफ  
इण्डिया, दिल्ली को भेजा गया था उसकी संख्या और दिनांक

5. प्रत्येक साख-पत्र प्राधिकरण में उपयोग की गई और उपयोग  
न की गयी शेष धनराशि (स्टलिंग)

2. हम प्रमाणित करने हैं कि :—

(1) वित्त मंत्रालय द्वारा दिए गए प्राधिकरण (णों) में उपलब्ध  
—पौड की शेष धनराशि  
उपयोग नहीं की गई है/उपयोग नहीं की जाएगी;

अथवा

प्राधिकरण (णों) के अन्तर्गत साख-पत्र खोला नहीं गया था  
और प्राधिकरण समाप्त हो गया;

अथवा

प्राधिकरण पत्र(नो) के आधार पर खोला गया साखपत्र बिना  
उपयोग किए समाप्त हो गया; और

(2) विषयाधीन गारन्टी के अधीन हमारे दायित्व विधिवत् पूरे  
हो गए हैं ।

3. हम अनुरोध करने हैं कि बैंक गारन्टी कृपया मुक्त की जाए और  
रद्द करने के लिए हमें लौटा दी जाए ।

11-11,

(बैंक की ओर से प्राधिकृत एजेंट)

\*जो भी लागू हो ।

## अनुबन्ध-7

(उपयोग किए जाने वाली रिपोर्ट का प्रपत्र)

(यू० के०/भारत क्षेत्रीय अनुदान-1978)

परिचय प्रत्यय—

(1) प्रत्येक तिमाही अर्थात्

अप्रैल-जून

जुलाई-सितम्बर

अक्तूबर-दिसम्बर

जनवरी-मार्च

के लिए तिमाही समाप्त होने के बाद के महीने की 15 तारीख  
तक भेजी जानी है ।

(2) प्रत्येक लाइसेंस के सम्बन्ध में रिपोर्ट भेजी जानी है ।

(रुपए एवं पौड दोनों में)

1. आयातक (लाइसेंसधारी) का नाम

2. आयात लाइसेंस की पूर्ण सं० एवं दिनांक

3. आयात लाइसेंस का मूल्य

4. उक्त लाइसेंस के मद्दे किए गए पक्के आदेशों की तारीख तथा  
मूल्य और शेष आदेश देने की स्थिति

5. क्या लाइसेंस शर्तों में सम्बन्ध निर्धारण के अनुसार संविदा  
दस्तावेज सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, को भेजे  
गए है (पत्र आवि की संख्या एवं दिनांक दिया जाना है)

6. यू० के० संभरकों के नाम में खोले गए साख-पत्र के मूल्य के  
व्योरे

7. भुगतानों की स्थिति

(क) किए गए वास्तविक भुगतान

(1) जनवरी 1980—मार्च 1980 (और इसी तरह)

(ख) किए जाने वाले भुगतानों का अनुमान

(1) अप्रैल 1980—जून 1980

(2) जुलाई 1980—सितम्बर 1980

(3) अक्तूबर 1980—दिसम्बर 1980

(4) जनवरी 1981—मार्च 1981

(और इसी तरह)

8. लाइसेंस के ऐसे भाग का संकेत करें जो पक्के आदेशों में शामिल  
नहीं किया गया है और उसे अस्पष्ट कर दिया गया है ।

हस्ताक्षर—

पता—

## अनुबन्ध-8

SEC/A/72/14(GOI)

यू०के०/भारत अनुदान 1978 के अन्तर्गत यू०के० से आयात के सम्बन्ध में संभरक/पोनवाणिक/बीमाकर्ता द्वारा (अल्पवितरण) क्षति इत्यादि के लिए दावे का निपटारा करने के लिए प्राप्त धन वापसियों के विस्तृत ब्यौरे को दर्शाते हुए की रिपोर्टें।

परिचय प्रत्यय संख्या—

(पॉइ स्टर्लिंग में केवल निबटाए गए दावों के लिए)

1. आयात करने वाली फर्म का नाम
2. यू०के० अनुदान के ब्यौरे
3. आयात लाइसेंस की संख्या और दिनांक
4. आयात लाइसेंस का मूल्य
5. प्राप्त धनवापसी की राशि
6. धनवापसी किस प्रकार की थी (संक्षिप्त ब्यौरा दें)
7. सम्बन्धित दस्तावेज जिसके अन्तर्गत यू०के० संभरकों को प्रारम्भिक भुगतान किए गए हों उनका संदर्भ (वित्त मंत्रालय को दस्तावेज प्रेषित करते हुए भारतीय बैंक पत्र संख्या और दिनांक के संदर्भ का संकेत करें)।
8. क्या प्राप्त की गई धनवापसियों माल के अवला-बदली के लिए प्रयोग की जा सकती हैं या नहीं, यदि नहीं तो पुष्टि करें कि राशि वास्तव में प्राप्त कर ली गई है और उसे खप में भुना लिया गया है।
9. टिप्पणी

आयात करने वाली फर्म के प्राधिकारी/  
अधिकारी के हस्ताक्षर

## MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Commerce)

## IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 7-ITC(PN)/80

New Delhi, the 3rd April, 1980

Subject : Schedule of conditions relating to the issue of licences for imports under the UK/India Sectoral Grant, 1978

**File No. IPC/39/16/77.**—The terms and conditions governing the issuance of import licence under the UK/India Sectoral Grant, 1978 and amended by UK/India Sectoral Grant amendment 1979 Agreement as given in the Appendix to this Public Notice are notified for information.

Sd/-

C. VENKATARAMAN, Chief Controller of Imports  
and Exports

## APPENDIX TO DEPTT. OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE NO. 7-ITC(PN)/80 dated 3-4-80

Licensing Conditions for the UK/India Sectoral Grant 1978 dated 4-1-1978, and amended by UK/India Sectoral Grant amendment 1979 Agreement dated 25-1-79.

## I. GENERAL

1. (a) The import licence will bear the superscription "UK/India Sectoral Grant 1978". In addition to the licence number and the licence code with "R/KS" or "S/KS", as suffixes, it will bear the allocation number, Known as the Identification Suffix (the symbol "SEC" indicating the Sectoral Grant; following by a letter "A" which stands for the Power Sectors for which the Grant is intended; followed by a number indicating the year in which the allocation is made; and followed by serial number of allocation)—for example :

i.e. Sectoral Grant/Power/Year/Serial No. of allocation

(b) One allocation—Multiple licences.—When there is more than one import licence against an allocation, the licensing authorities will ensure, at the time of issue of the import licence that each licence pertaining to an allocation, will bear a further identification mark, for example :

(i) SEC/A/72/14(GOI)|1 (first licence)

(ii) SEC/A/72/14(GOI)|2 (second licence)

i.e. Sectoral Grant/Power/Year/Serial No. of allocation/Serial No. of licence.

(c) One licence—Multiple contracts.—When there is more than one purchase order/contract against an import licence, it is the responsibility of the licensee to ensure that each purchase order/contract under that import licence is given a further identification mark i.e. (1), (2) etc. in brackets.

for example : for contracts against the first import licence issued against the allocation.

SEC/A/72/14(GOI)|1(1)

SEC/A/72/14(GOI)|1(2)

i.e. Sectoral Grant/Power/Year/Serial No. of allocation/Serial No. of Import Licence (serial number of the Purchase Order).

Similarly for the contracts against the second import licence issued against an allocation, it will be—

SEC/A/72/14(GOI)|2(1)

SEC/A/72/14(GOI)|2(2)

**Note :**—The identification suffixes indicated above or any where in these conditions are only illustrative to enable the licensing authority and the licensee to understand the procedure and are not to be used. The actual identification suffix will be indicated by the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, in respect of each and every allocation to be inscribed by the licensing authority on the import licence at the time of its issue.

## VALIDITY PERIOD OF LICENCE

2. The import licence will be issued on CIF basis with an initial validity period of 12 months for completing the shipments. Where however the deliveries are expected to materialise over a longer period the initial validity of the licence could be suitably extended.

Within a fortnight of the receipt of the import licence, the importer should furnish to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (WE II Section), New Delhi, a photostat Copy of the import licence. A copy of this should also be sent to the Controller of Aid Accounts and Audit (CAA&A), Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, Sansad Marg, New Delhi.

## ORDERING

3. Firm orders on CIF or C&F basis must be placed on the UK suppliers within a period of four (4) months from the date of issue of the import licence. Firm orders in this context means purchase orders placed by the Indian Licensee on the U.K. supplier duly supported by confirmation from the latter, or purchase contract duly signed by both the Indian importer and U.K. suppliers. The prices should generally be firm for the duration of the contract.

Wherever insurance is taken out on an Indian Company, the premium should be paid in India in Indian Rupees.

4. Extensions in ordering period.—If firm orders cannot be placed within the prescribed period of 4 months, the import licence should be submitted to the licence issuing authority immediately, indicating reasons for delay in placement of firm orders and seeking extension in the period of ordering as considered necessary. Such request will be considered by the licensing authorities who may grant extension upto a maximum period of four months. If, however, extension is

sought for a period exceeding 8 months commencing from the date of issue of the import licence, such proposals will invariably be referred by the licensing authorities to the Department of Economic Affairs, (WE II Section) Ministry of Finance, North Block, New Delhi, who will communicate the orders.

5. Mode of Payment.—Payments to UK Suppliers under UK/India Sectoral Grant can be arranged through normal banking channel by establishing letters of credit, but a special authorisation for doing so should be obtained from the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, Sansad Marg, New Delhi, in the manner detailed in section III below.

It should be noted that unless ordering is complete within the initial period of four months or the extended period, and the special authorisation (as indicated in the above paragraph) is obtained, the authorised dealers in foreign exchange will not permit establishment of letter of credit.

6. Indian Agents Commission.—Any payment towards the Indian Agents' Commission should be made in Indian rupees to the Agent in India. Such payments will however, form part of the import licence and will, therefore, be charged to it.

7. Orders should be placed on cash basis and all the payments must be completed within the validity period of the import licence. Individual payment must be arranged on shipment of goods. No credit facility of any kind will be allowed.

## II. SPECIAL POINTS TO BE INCORPORATED IN THE ORDERS/CONTRACTS OR OTHERWISE KEPT IN VIEW

8. While placing orders/contracts which must be placed only on the suppliers in the United Kingdom (which expression in this connection, includes the Channel Islands and the Isle of Man), the licensee must ensure by a provision in the orders/contracts that the goods purchased are, or will be wholly or mainly produced or manufactured in the United Kingdom. When the contract also provides for works and services in connection with the purchase of such goods, it must similarly be ensured by a suitable provision therein, that such works and services are, or will be provided by persons ordinarily residents or carrying on business in the United Kingdom.

### 9. Non-UK content criteria

- (a) Import licences under the UK/India Sectoral Grant 1978 will normally be valid only for goods and/or materials procured and produced or manufactured in the United Kingdom.
- (b) The Indian Importer is advised in his own interest to ascertain from the UK suppliers, beforehand, whether the proposed imports contain any non-UK element, and if so, the percentage thereof. Under no circumstances should be enter into a firm commitment or contract with a UK supplier without specifically ascertaining this point.
- (c) When on such an enquiry it is revealed that the goods proposed to be imported have some non-UK element, the matter must be brought to the notice of the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, WE II Section, New Delhi, for confirmation whether the importer should, proceed with the prospective UK supplier. In this connection it may be mentioned that in exceptional cases non-UK element upto a limit of 20 per cent of the FOB value of the goods in a single contract may be agreed to be financed under the UK/India Sectoral Grant 1978 provided the non-UK content forms an integral part of the finished products; and the non-UK origin material cannot be used independently of the finished products, proposed to be imported. For this purpose the Indian importer should apply for a specific approval enclosing a copy of the Contract Certificate, duly signed by the UK supplier, in the prescribed form (Annexure II or Annexure II(B))—as is appropriate) to the Department of Economic Affairs (WE II Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi.

10. The documentation requirements mentioned in Section III and V below and the payment procedure laid down in Section IV below should be kept in view and should be appropriately incorporated in the contract.

## III. NOTIFICATION OF CONTRACTS, CONTRACT ACCEPTANCE AND AMENDMENTS THERETO

11. Within a fortnight of placing of orders, the licensee should forward four copies of the contract or notification of contract (in the form attached as Annexure I) accompanied by four copies of the contract certificate [in the form attached as Annexure II or Annexure II(B)] (as is appropriate) duly signed by the UK supplier, to Controller of Aid Accounts and Audit in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, Sansad Marg, New Delhi. A copy of the notification of contract (Annexure I) may also be endorsed to Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, WE II Section, New Delhi.

12. While forwarding the above documents to the CAA&A, New Delhi (as stated in para 11 above), it must be ensured by the licensee that complete number and date of the import licence and the title of the Grant (UK/India Sectoral Grant 1978) are clearly noted on the documents. The licensee must also ensure that the Identification Suffix of the import licence has been indicated on all the documents, viz. the forwarding letter; the contract; the contract notification; the contract certificate, etc.

Illustration.—If, for example, the identification suffix "SEC/A/74/12(GOI)" has been allotted by the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi, for a certain allocation made during the year 1975, the documents under the first import licence and the second import licence will bear the identification suffix as under :

- (i) First Import Licence—SEC/A/75/12(GOI)/1  
First contract under it. SEC/A/75/12(GOI)/1(1)  
Second contract under it. SEC/A/75/12(GOI)/1(2)  
and so on
- (ii) Second import licence SEC/A/75/12(GOI)/2  
First contract under it SEC/A/75/12(GOI)/2(1)  
Second contract under it SEC/A/75/12(GOI)/2(2)  
and so on.

The licensee, while forwarding the contract documents to the CAA&A, New Delhi, must give the relevant details of the number of contracts placed under the relevant import licence. The importer will be solely responsible for the accuracy of these details.

13. If at any time, a contract is amended or if liability thereunder is to be incurred for a greater or lesser amount than the amount specified in the contract certificate, the licensee should within a fortnight of the date of the amendment of the contract, forward the supplementary or revised documents including copies of amendments to contracts and the revised contract certificate, to CAA&A in order to enable him to notify the same to the UK Government.

14. If, the contract is with the Indian Agent of the UK supplier, it should indicate the name of the UK supplier to whom payment is to be made for the sterling portion of the contract which alone will qualify for payment under the Grant. Copies of such contracts (of contracts placed by Indian Agent with the UK supplier, if there are such separate contracts) should be sent as prescribed above.

## IV. PAYMENT TO THE UK SUPPLIERS—LETTER OF CREDIT PROCEDURE

15. (a) The licensee should, while forwarding the documents vide Section III also apply to CAA&A, New Delhi for a Letter of Authorisation to any authorised bank dealing in foreign exchange for opening a letter of credit in favour of the UK supplier with one of the correspondent banks in the UK. The request for the Letter of Authorisation should be in the form set out at Annexure III, accompanied by a photostat copy of the import licence for verification of the exchange rate.
- (b) The importer would also be required to furnish a Bank Guarantee (in the form given in Annexure IV)

obtained from the authorised dealer in foreign exchange. The Bank Guarantee should be for an amount representing the rupee equivalent of the sterling amount for which the Letter of Authority/Letter of Credit is required to be issued plus interest and other charges as mentioned in Annexure IV. The rate of conversion shall be at the exchange rate notified by the Department of Revenue and prevailing on the date of issue of the import licence as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)/74 dated 6-6-74 issued by the CCI&E. This rate is meant only for the purpose of arriving at the value of the Bank Guarantee to be furnished by the licensee. For the purpose of making rupee deposits into Government account towards the cost of imports, the rupee equivalent will have to be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-76 or as may be notified by Government from time to time in future.

**Note :—**No Bank Guarantee is required from public sector projects; in such cases the letters of credit will be opened through any branch of the State Bank of India (including its subsidiaries) or any Branch of any of the Nationalised Banks.

16. If the application is found to be in order, the CAA&A, in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi will issue a Letter of Authorisation for the requisite amount to the Indian Exchange Bank concerned. The letter of authorisation will refer to the identification suffix of the contract/purchase order, which should figure in the letter of credit to be opened and on all the documents to be furnished under the letter of credit. The CAA&A will also advise the UK Bank and the C.A.O. London suitably about the Letter of Authority issued. The advice to the UK Bank will, however, be sent to the Indian Exchange Bank concerned, along with a copy of the letter of authorisation, who would, in turn transmit it to the UK Bank while opening the letter of credit.

17. The letter of credit should be opened within a period of one month from the date of issue of the letter of authorisation, failing which the authorisation will lapse.

18. The letter of credit should detail the conditions to which the license is subject; should provide for payment to the UK supplier on submission of all the documents detailed in Section V below; should contain adequate instructions regarding the despatch of documents after payment and should be opened subject to the condition that the Corresponding Bank in U.K. would, after making payments to the beneficiaries initially out of their own funds, obtain reimbursement from the concerned Bank in India or C.A.O. London as the case may be. The Indian Exchange Bank's instruction regarding the opening of letter of credit must accord completely with the authorisation issued by the Ministry of Finance. There should be no discrepancies in any respect. The letter of credit should contain the superscription "UK/India Sectoral Grant 1978", the I/L No. and date, the Identification Suffix and where necessary the UK Government's contract approval number.

19. While opening letter of credit, the Authorised Exchange Bank in India should, on behalf of the importer, take care to incorporate necessary conditions in the letter of credit and ensure that the documentation requirements are noted and complied with by the UK supplier.

20. If a letter of authorisation already issued is to be amended on account of enhancement in the import licence value, the request of the importer should be accompanied by the import licence or photostat copy thereof, showing the exchange rate applicable for the amount of increase in import licence value.

## V. DOCUMENTATIONS

21. The importer is responsible to see that the UK supplier completes and submits the documents detailed below to the UK Bank at the time of claiming payment for the goods supplied :

- (i) The original invoice, with four photo copies or copies by any other process. (The invoice should show

the name and address of the importer, quantity and detailed description of each item supplied, the basis of delivery (C&F or CIF) and the sterling cost of any incidental services including delivery services or marine or transportation insurance.

- (ii) One copy (or photostat of ocean or charter Bill of Lading or airway Bill or parcel post receipt. (The Bill of Lading should either indicate or be accompanied by the carriers statement of charges in whatever currency it is paid).
- (iii) Four copies of the payment certificate in the form given as Annexure V (not required in respect of contracts for which contract certificate (chemicals) in the form given as Annexure II(B) has been provided). For this purpose five blank forms of the payment certificate in the prescribed form should be attached to the letter of credit for completion by the supplier at the time of obtaining payment.
- (iv) Three copies of the contract certificate prescribed in Annexure II or Annexure II(B).

Each of the above documents must show the Grant title, the identification suffix, the details of import licence, and the particulars of the letter of credit authorisation issued by the Ministry of Finance. (The Bill of Lading may not carry the details of import licence, if it is not found possible to mention these details by the clearing agents).

22. After the payment is made to the UK supplier, the UK Correspondent Bank will send by fast air mail the original negotiable set of documents to the Indian Bank concerned.

23. The Indian Bank will reimburse the UK Bank by remittance, the payments made by it to the UK suppliers along with the bank charges. The recovery of corresponding rupee equivalent by the Indian Bank from the importer for such foreign exchange remittances will be as per the arrangements agreed to between them. The UK Bank should also send a non-negotiable copy of the completed payment certificate to CAA&A, New Delhi. In cases where the payment are to be made by the C.A.O. London, the UK Bank will claim reimbursement from the C.A.O., London and for this purpose will submit all the documents. The C.A.O. London will arrange payments to the UK Bank through the State Bank of India London.

## VI. INDIAN BANK'S RESPONSIBILITY TO ENABLE THE GOVERNMENT OF INDIA TO OBTAIN REIMBURSEMENT UNDER THE UK GRANT/FOR RUPEE DEPOSITS.

24. The Indian Bank, after reimbursing the UK Bank of the sterling payments made by it to the UK suppliers along with the bank charges (see para 23) or within 7 days of the receipt of the notice of payment along with the shipping documents from the corresponding bank in U.K. should, within 7 days, send the necessary documents to CAA&A, New Delhi to enable the Govt of India to obtain reimbursement under the UK Grant. The documents to be furnished are :—

- (i) Contract certificate in the form set out in Annexure II or Annexure II(B), as is appropriate, duly signed by the UK suppliers and a copy of the relevant letter of credit.
- (ii) Payment certificate in the form given in Annexure V duly signed by the UK supplier.
- (iii) The invoice and Bill of Lading as mentioned in Section V, where there is more than one payment to be made to the UK supplier under a contract, the contract certificate and a copy of the letter of credit need be supplied only for the first payment. For the subsequent invoices need to be sent to the CAA&A, New Delhi, but the identification suffix in the relevant contract certificate and the letter of credit should be quoted.



25. In cases where the Indian Bank receive, the notice of payment alongwith a shipping documents from the UK Correspondent Bank, the Indian Exchange Bank concerned shall ensure the collection from the importer the cost of imports in rupees at the "composite rate of exchange" [see para 19(b) above] plus interest charges at the rate notified in Public Notice No. 46-ITC(PN)/76, dated 16-6-1976, for the period from the date of payment to the UK suppliers by the UK Bank to the date of deposit of the rupee equivalent into the Government account (both days inclusive). The instructions in this regard contained in Reserve Bank of India, Bombay, AD Circular No. 22 of 18-6-77, should be strictly adhered to.

#### Deposit of Rupee Equivalent

26. The amount referred to above should be deposited by the Indian Bank to the Credit of the Government of India in the Reserve Bank of India, New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi or if this is not feasible, should be remitted by means of a Demand Draft drawn on and in favour of the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi. Rupee deposit should be made in the revised form of the treasury Challan, Published as annexure to Public Notice No. 103-ITC(PN)/74, dated 31-5-1974 as amended vide Public Notice No. 103-ITC(PN)/76, dated 12-10-1976. Thereafter the treasury challan evidencing the deposit should be sent by Registered Post to the CAA&A, New Delhi indicating references to and enclosing copies of the invoice shipping documents and the Authorisation of that Department to which the transaction relates.

The Indian Bank concerned also arrange to deposit in the same manner such additional amounts on account of service charges as may be demanded by the Government of India within 7 (seven) days after such demand.

The licensee should also fill in, in duplicate, the Form 'S' incorporated as Annexure II to Public Notice No. 184-ITC(PN)/68, dated 30th August 1968 and present the same to their bank while arranging for rupee deposits in accordance with the procedure prescribed in the said Public Notice.

#### Head of Account of Rupee Deposit

27. The amounts including interest charges to be deposited to the Credit of Government of India shall be creditable under the following Head of Account :

"K-DEPOSITS AND ADVANCES—843 CIVIL DEPOSITS—DEPOSITS FOR PURCHASE ETC. ABROAD—DEPOSITS UNDER UK/INDIA SECTORAL GRANT 1978."

Accounts Officer and the Controller of Aid Accounts and Audit, New Delhi shall be shown as the Accounts Officer who will adjust these credits.

#### Release of Bank Guarantee

28. After the obligations in terms of the Bank Guarantee and the Letter of Credit Authorisation issued by the Ministry of Finance are fulfilled, the Indian Bank concerned can apply to the CAA&A, New Delhi for the release of the Bank Guarantee. The application should be made by the Indian Bank concerned (not by the importer) and should be in the form laid down as Annexure VI.

#### VII. REPORT ON THE UTILISATION OF THE IMPORT LICENCE

##### Reporting

29. A quarterly report, in the form attached as Annexure VII showing the utilisation status of the licence should be furnished on the 15th of month following the quarter to which it relates to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (WE II Section ), New Delhi with a copy to the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, New Delhi.

#### VIII. MISCELLANEOUS

##### Refunds from UK Suppliers

30. If any money is received by the licensee from the UK suppliers or a Guarantor (insurance company etc.) as a refund or in settlement of insurance claim or otherwise, such amounts should be refunded by the supplier to the concerned correspondent bank in the U.K. (from which the payment was initially made to the U.K. supplier) with the

instructions to refund the amount immediately, in turn, to CAO, London for crediting to the Grant Account. After the Grant Account is so credited, an equivalent amount in rupees will be arranged to be refunded to the importer by the Ministry of Finance, upon receipt of a claim therefor from the importer. If any refund is received after the closure of the loan, the same will have to be made by the supplier direct to the importer.

##### Reporting of Refunds

31. As and when any such refund is received, a report thereof should be made to the Ministry of Finance with a copy to the CAA&A; in the form set out on Annexure VIII.

##### Notification of Special Conditions Provisions to Supplier

32. The licensee should apprise the Supplier of any special provisions in the import license which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

##### Disputes

33. It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers.

##### Future Instructions

34. The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under this grant Agreement.

##### Breach or Violation

35 Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the imports and Exports (Control) Act, 1947 and the orders issued thereunder.

#### IX. LIST OF ANNEXURES

1. Annexure I.—Notification of Contract.
2. Annexure II.—Contract Certificate.
3. Annexure II(B).—Contract Certificate (Chemicals).
4. Annexure III.—Form of application for letter of credit Authorisation.
5. Annexure IV.—Form of Bank Guarantee.
6. Annexure V.—Payment Certificate.
7. Annexure VI.—Form of application for the release of Bank Guarantee.
8. Annexure VII.—Form for reporting Ordering and Utilisation of the Import Licence.
9. Annexure VIII.—Form of reporting Refunds.

#### ANNEXURE I

#### UNITED KINGDOM/INDIA SECTORAL GRANT 1978

#### NOTIFICATION OF CONTRACT

To :

The Crown Agents for Oversea Government and Administrations

4 Millbank

London SW1

Notification of Contract No. ....

Identification Suffix. ....

The following are details of a contract under which it is proposed that payments shall be made in accordance with the terms and conditions of the above grant.

1. Name and address of  
United Kingdom Contractor :
2. Date of Contract :
3. Name of Indian Purchaser :
4. Short description of goods  
and/or works or services :
5. Value of Contract :
6. Term of Payment :

Signed on behalf of the Government of India

Date. ....



## ANNEXURE II

## APPENDIX C

## IDENTIFICATION SUFFIX NO.....

UNITED KINGDOM/INDIA SECTORAL GRANT 1978  
CONTRACT CERTIFICATE

## Particulars of Contract

1.a. Date of Contract

2.aa. Import Licence No.

1.b. Contract No.....

2.b. Date.....

3. Description of goods or services to be supplied to the purchaser.....

(If a number of items are to be supplied, a detailed list should be appended to this certificate)

4. Total contract price payable by purchaser (state CIF, C&amp;F or FOB) £.....

IF GOODS ARE TO BE SUPPLIED THE FOLLOWING  
SECTIONS MUST BE COMPLETED

If the contractor is exporting agent only, the information requested should be obtained from manufacturer).

5. Description of goods to be supplied to Purchaser Price UK Tariff/Trade Code No.

6. Estimated % of the FOB value of the goods not originating in the United Kingdom, but purchased by the Contractor directly from abroad, i.e. % of imported raw material or components used in manufacture.

(a) % FOB value.....

(b) Description of items and brief specifications.....

7. If any raw material or components used originated from abroad, e.g., copper, asbestos, cotton, wood pulp, etc. but have been purchased in the United Kingdom by the contractor for this contract, specify :

(a) % FOB value.....

(b) Description of items and brief specifications.....

IF SERVICES ARE TO BE SUPPLIED THE FOLLOWING  
SECTION SHOULD ALSO BE COMPLETED

8. State the estimated value of any work to be done or services performed in the purchaser's country by

(a) Your firm (site engineers, charges, etc.).....

(b) Local contractor.....

9. State reasons for use of foreign items mentioned in paragraphs 6, 7 or 8 above, e.g., no UK equivalent available, integral part of equipment etc.....

10. Qualifying remarks as necessary in respect of paragraphs 6, 7 or 8 above.....

11. I hereby declare that I am employed in the United Kingdom by the Contractor named below and have the authority to sign this certificate. I hereby undertake that in performance of the contract no goods or services which are not of United Kingdom origin will be supplied by the Contractor other than those specified in paragraphs 6, 7, 8 and 10 above.

Signed.....

Position held.....

Name and Address of Contractor.....

Telephone No.....

Date.....

Note : For the purpose of this declaration the United Kingdom includes the Channel Islands and the Isle of Man.

Contractors should note that goods should not be manufactured until acceptance has been notified

## FOR OFFICIAL USE ONLY

## PAYMENTS

Name or number of Project.....

Date

PA

Amount No. Initials

Amount Date of Acceptance committed entry

Date Initials

## ANNEXURE II(B)

## APPENDIX C

UNITED KINGDOM/INDIA SECTORAL GRANT 1978  
CONTRACT CERTIFICATE FOR CHEMICALS AND  
ALLIED PRODUCTS ONLY

1. Date of Contract..... Contract No..... Import Licence No..... Date..... Identification Suffix.....

2. Description of Product (s) to be supplied to Purchaser (Note A) £ Price UK Tariff Classification No. of UK origin (Note B) Is the product of UK origin (See note C) State 'Yes' or 'No'

3. Total (Estimated) Contract Price payable by Purchaser in Sterling—£.....

4. (Declaration) I hereby declare that I am employed in the United Kingdom by the contractor named below and have the authority to sign this certificate, and that the above information is correct.

Signed.....  
Position held.....  
Name and address of contractor.....

Date.....

## NOTES

A. This form is only to be used for chemical and allied products, most of which are covered by the appropriate sub-headings of Chapters 15, 25, 26—36 and 37—40 of the UK Tariff.

B. SEE :—

(i) HM Customs and Excise Tariff HMSO.

(ii) Classification of Chemicals in Brussels Nomenclature HMSO.

## ANNEXURE III

FORM OF APPLICATION FOR LETTER OF CREDIT  
AUTHORISATION

## IDENTIFICATION SUFFIX.....

To,

The Controller of Aid Accounts & Audit,  
Economic Aid Accounts Section,  
Ministry of Finance,  
Department of Economic Affairs,  
United Commercial Bank Building,  
Parliament Street,  
New Delhi.Subject :—Import of.....from U.K.  
under UK/India Sectoral Grant, 1978.

Sir,

In connection with the import of.....from UK against the above UK/India Sectoral Grant 1978, we furnish the following particulars to enable you to issue us authorisation for opening a Letter of Credit through our bankers on the U.K. Bank designated by you :—

(a) Particulars of Import licence.

(b) Full No. & Date.....Value (Rs.).....  
Date upto which valid.....

(c) Sterling value of licence.

(Calculated at the rate of exchange indicated in the import licence by the licensing authorities).

- (c) Progressive Sterling value of the orders already placed for which L/As have been obtained (A Statement of 1A nos. & Sterling amount to be enclosed).
- (d) Sterling value of the orders placed for which authorisation is requested specifying the name and address of the UK Supplier/Suppliers and the amount/s of authorisation required separately against each supplier (copy of orders placed and UK suppliers' acceptance thereof to be attached).
- (e) Name of UK Correspondent Bank on whom the Letter of Credit is to be established.
- (f) Name of the Indian Bank which has furnished the Bank Guarantee and which will open the Letter of Credit in cases where section III(B) of this Public Notice is applicable.
- (g) Name of the Indian Bank which will open the Letter of Credit in cases where no Bank Guarantee is required.

The Bank Guarantee furnished by \_\_\_\_\_ and which  
(Name of Bank)  
has been duly adjudicated by the Collector in accordance with the provisions of section 31 of the Stamped Act, 1899, is attached.

Yours faithfully,

(Signature of Licensee & Full Address).

Note :—Item (f) is not applicable to cases falling under Section III(A).

C. (i) A product is regarded as of 'UK origin' if made either wholly from indigenous UK materials OR according to the appropriate EFTA qualifying process using imported materials wholly or in part.

(ii) The EFTA qualifying processes are set out in Schedule I of the 'EFTA' compendium for the Use of Exporters', HMSO.

(iii) For the purposes of this declaration it is to be emphasised that the 'Alternative Percentage criterion' DOES NOT APPLY.

(iv) The words "Area Origin" where they appear in the above Schedule must be taken to mean "UK Origin" only.

(v) For the purposes of this declaration, the "Basic Materials List" (Schedule III of the EFTA Compendium) does not apply.

(vi) If a qualifying process is not listed for the materials in question, advice should be sought from the Crown Agents for Oversea Governments and Administrations, 4 Millbank, London SW1.

D. For the purpose of this declaration the United Kingdom includes the Channel Islands and the Isle of Man.

#### ANNEXURE IV

#### FORM OF BANK GUARANTEE

To,

The President of India,  
Through Secretary to the Govt. of India,  
Ministry of Finance,  
Department of Economic Affairs,  
New Delhi.

Sir,

In consideration of the President of India hereinafter referred to as 'the Government' having agreed to arrange for payment in foreign currency of the price of goods to be imported by

\*1. (i) .....individual/partners.

(ii) .....working under the name

(iii) .....and style of M/s. \_\_\_\_\_

[name(s) & address(s)]

\*Strike out which is not applicable.

\*\*This date shall be arrived at by adding one month to the date by which all payments are expected to be finalised.

\*Messrs.....a company having its registered office at.....in the State of.....hereinafter referred to as the Importers' under Import Licence No.....dated.....granted for.....Rupees, we.....hereby guarantee that we shall arrange deposit to the credit of the Government in the Reserve Bank of India, New Delhi/State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi or by means of Demand Draft Drawn on and in favour of State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi for Credit to the Central Government Account) to be forwarded to the said Tis Hazari Branch—

- (1) Within seven days of the receipt of advice of payment with shipping documents, from the UK Banks, of rupee equivalent of the invoiced price representing the sterling disbursements made by the UK Banks, under the letter of credit authorisation issued by Ministry of Finance, at the composite rate of exchange prescribed for this purpose by the C.C.I.&E., vide Public Notice No. (15-ITC(PN)/72 dated 28-1-1972 read with Public Notice No. 108 ITC(PN)/72 dated 21-7-1972 and No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or as notified from time to time through subsequent Public Notice or by the Reserve Bank of India through Exchange Control Circulars to the Authorised Dealers in foreign exchange, along with interest thereon at 9 per cent per annum for the first 30 days and at 15 per cent for the period in excess of 30 days from the date of payment to UK suppliers to the date of deposit of rupee equivalent and UK bank charges (both dates inclusive), as notified in Public Notice No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-1976.
- (ii) Within seven days of the demand by the Government of such additional amount as may be demanded by the Government as being due on account of service charges.

2. We, \_\_\_\_\_ undertake to pay to the Government on demand and without demand such sum not exceeding \_\_\_\_\_ rupees (plus interest and service charges as aforesaid) as may be demanded by the Government in the event of the importers failing or neglecting to make any of the above mentioned said payments and the decision of the Government as to such failure or neglect on the part of Importers and as to the amount payable to the Government by us hereunder shall be final and binding on us.

3. We, \_\_\_\_\_ agree and undertake not to release shipping documents to the Importers until after the rupee equivalent as aforesaid and the other dues, if any, as demanded by Government are deposited to the credit of the Government.

4. We, \_\_\_\_\_ agree and undertake not to revoke this Guarantee during its currency except with the previous consent of the Government in writing.

5. The guarantee herein contained shall not be affected by any change in the constitution of the Importers or of our Bank.

6. The Government shall have the fullest liberty without affecting this guarantee to vary any of the terms of the Import licence detailed above or to extend the time for payment by the Importers from time to time or to postpone for any time and from time to time any of the powers exercise by the Government of the liberty with reference to the amount of aforesaid or any reason of any such variation or extension of time being given to the Importers of any for bear act or omission on the part of the Government of any indulgence by the Government to the importer or by any of the matters or things whatsoever which under the law relating to sureties shall but for this provision have the effect of so releasing us—  
Bank from our such liability.

Our liability, under this bond/guarantee is restricted to Rs. \_\_\_\_\_ (Plus interest and service charges as aforesaid) and it will remain in force till the \*\* \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ (month) \_\_\_\_\_ 198. We also undertake to make such additional deposits as may be necessary in terms of CCI&E's Public Notice No. 15-ITC

(PN)/72 dated 28-1-1972 read with Public Notice No. 108 ITC(PN)/72 dated 21st July, 1972 or as notified from time to time. Unless claim under the bond/guarantee are made in writing six months of this date and unless a suit or action to enforce these claims is commenced within another six months thereafter i.e. upto— all Government's rights under this bond/guarantee shall be forfeited and we shall be relieved and discharged from all liability thereunder.

Yours faithfully,

Signature of the Authorised Officer  
of the Bank & Bank's full address.

Place—

Date—

(The Bank Guarantee is to be executed on a non-judicial stamp paper, the value of the stamp being adjudicated by the Collector in accordance with the provisions of Section 31 of the Indian Stamp Act, 1899).

#### ANNEXURE V

Identification Suffix.....

#### UNITED KINGDOM/INDIA SECTORAL GRANT, 1978 PAYMENT CERTIFICATE

I hereby certify that

- (i) the payment referred to in the invoices listed below, which or copies of which accompany this payment certificate have been made or fall due and are due to be made in respect of Contract No.....  
Dated..... between the contractor named below and..... (Purchaser)  
..... and are in accordance with the particulars of this contract notified in the contract certificate signed on behalf of the said contractor on.....

Contractor's Invoice No.	Date	Amount £	Short description of goods, works and/or services
-----------------------------	------	-------------	--

- (ii) The amounts specified in paragraph (i), do not include any additional foreign content to that declared in paragraphs 5, 6, or 7 of the contract certificate.

- (iii) I have the authority to sign this certificate on behalf of the Contractor named below.

Signed.....  
Position held.....  
For and on behalf of.....  
Name and Address of contractor.....  
Date.....

Note: For the purpose of this declaration the United Kingdom includes the Channel Islands and the Isle of Man.

#### ANNEXURE VI

#### FORM OF APPLICATION FOR RELEASE OF BANK GUARANTEE

Identification Suffix No.....

To,

The Controller of Aid Accounts & Audit,  
Ministry of Finance,  
Department of Economic Affairs,  
United Commercial Bank Building,  
Parliament Street,  
New Delhi.

Sir,

We are furnishing below detailed information on the rupee deposit made by us in discharge of our obligations under Bank Guarantee No.....dated..... for an amount of Rs.....with the request that the same may be released and returned to us.

- The name and full address of the importer/licensee on whose behalf the bank guarantee was furnished.
- The Import Licence No, Date and value and brief description of the commodities allowed for import thereunder.
- Particulars of the authorisation(s) for opening Letters of Credit obtained from the Ministry of Finance.
  - Letter No. & Date.
  - Amount of authorisation.
  - U.K. Grant.
- Particulars of Imports and rupee deposits made (to be given separately for each Letter of Credit Authorisation).
  - Particulars of Letters of Credits opened (No., date value and the supplier's name).
  - Invoice No. and date relative to each Letter of Credit.
  - Amount of Invoice (net in sterling).
  - Amount of rupee deposit.
  - Relative challan No. & date and the name of Treasury/Bank.
  - If by demand draft, No. & date of the demand draft and the No. and date of the Letter with which the demand was sent to the State Bank of India, Delhi.
- Amount utilised and balance unutilised (sterling) in each letter of Credit Authorisation.

#### ANNEXURE VII

#### (FORM OF UTILISATION REPORT)

#### UNITED KINGDOM/INDIA SECTORAL GRANT 1978

Identification Suffix.....

- (i) report to be sent for each quarter i.e.  
April—June.  
July—September.  
October—December.  
January—March.

by the 15th of the month following the quarter).

- (ii) report to be furnished separately for each licence.  
(both in Rs. & £s.)

- Name of the Importer (Licensee).
- Complete No. & Date of Import Licence.
- Value of the import licence.
- Date & value of the firm orders placed against the above licence and phasing of the balance ordering.
- Whether the contract documents have been sent to CAA&A in accordance with the relevant stipulation in the licensing conditions No. & date of communication to be quoted).
- Details of the value of Letters of credit opened in favour of the UK suppliers.
- Phasing of Payments :
  - Actual payments made
    - January '80—March '80.  
(as so on)
  - Estimate of payments to be made :
    - April '80—June '80.
    - July '80—September '80.
    - October '80—December '80.

(iv) January '81—March '81.  
(and so on).

I, Indicate specifically the portion of the licence not covered by firm orders and is thus surrendered.

Signature.....  
Address.....

II. We certify that :

(1) \*That balance amount of £.....available in the authorisation(s) given by the Ministry of Finance has not been utilised/will not be utilised.

OR

No letter of credit was opened under the authorisation(s) and the authorisation(s) lapsed.

OR

The letter of credit was opened against the authorisation letter(s) expired unutilised and

(2) Our obligations under the bank guarantee in question have been duly discharged.

III. We request that the bank guarantee may please be released and returned to us for cancellation.

Yours faithfully,

Authorised Agent for and on behalf  
of the Bank

\*whichever is applicable.

#### ANNEXURE VIII

Report showing details of refunds received from supplier/Shippers/insurers (towards settlement of claim for short landings, damages etc.) in respect of imports from the U.K. under UK/India Sectoral Grant 1978.

Identification Suffix No.....(only for claim settled in £ sterling)

1. Name of importing firm.
2. Particulars of U.K. Grant.
3. No and date of the import licence.
4. Value of import licence.
5. Amount of refund received.
6. Nature of refund (give brief details).
7. Reference to the relative documents under which payment was made initially to the UK suppliers (indicate name of Indian Bank and reference to their letter No. & date forwarding the documents to the Ministry of Finance).
8. Whether or not refunds received are to be utilised for replacement of goods, if not confirm that amount has been actually received and encashed into rupees.
9. Remarks.

Signature of the authorised  
office of the importing firm.

K. P. C. UNNITHAN, Controller.  
of Imports & Exports

